epaper.dehatsandesh.com

3 राष्ट्रीय स्तर के तीरंदाज ऋतिक शर्मा, शुभम शर्मा और अमित ठाकुर के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपराज्यपाल से भेंट की

5 ऋषभ पंत ओवल टेस्ट से बाहर

8 पॉलीहाउस में बेमौसमी सब्जियों की खेती

मौसम जम्मू — न्यूनतम 25 — अधिकतम 29

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-186 | जम्मू तवी, मंगलवार 29 जुलाई, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

खबर संक्षेप

पुलिस ने अनंतनाग में भारी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ जब्त किए

अनंतनाग , 28 जुलाई । समाज से नशीले पदार्थों की बुराई को जड़ से मिटाने के अपने प्रयासों को जारी रखते हुए जम्मू-कश्मीर पुलिस ने अनंतनाग के शांगरान स्थित एक आवासीय घर से भारी मात्रा में प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किया और अपराध में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया अवैध मादक पदार्थों की गतिविधि के संबंध में एक विश्वसनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए डूरू पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने कार्यकारी मजिस्ट्रेट डूरू के साथ एसएचओ डूरू के नेतृत्व में वरिष्ठ अधिकारियों की कड़ी निगरानी में शांगरान गाँव में तलाशी अभियान चलाया। अभियान के दौरान टीम ने शांगरान निवासी गुलाम नबी डार पुत्र अब्दुल सलाम डार के आवासीय घर की तलाशी ली और तीन प्लास्टिक की बाल्टियों में छिपाकर रखा गया 16 किलोग्राम अफीम का डोडा बरामद किया। अपराध में शामिल आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और कार्यकारी मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में मौके पर ही प्रतिबंधित पदार्थ को जब्त कर सील कर दिया गया है।

तदनुसार पुलिस स्टेशन डूरू में एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/15 के अंतर्गत एफआईआर संख्या 56/2025 दर्ज की गई है और आगे की जाँच जारी है।

अवैध खनन के आरोप में 5 डंपरों सहित 6 वाहन जब्त

सांबा, 28 जुलाई । अवैध खनन के खिलाफ अपने अभियान को जारी रखते हुए सांबा पुलिस ने सांबा घगवाल और बारी ब्राह्मणा पुलिस थानों के अधिकार क्षेत्र में 5 डंपरों सहित छह वाहन जब्त किए हैं, जिनका इस्तेमाल निर्माण सामग्री के अवैध परिवहन/खनन के लिए किया जा रहा था। एसएचओ थाना सांबा, एसएचओ थाना बारी ब्राह्मणा, थाना सांबा के सुपवाल और मानसर पुलिस पोस्टों के प्रभारी और थाना घगवाल के पुलिस पोस्ट राजपुरा के प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीमों ने अपने अधिकार क्षेत्र में गश्त करते हुए पंजीकरण संख्या जेके21जी-9091, जेके21जी-7597, जेके21ई-2447, जेके19ए-3867, जेके02बीवी-2458 वाले पांच डंपर और बिना नंबर की एक ट्रैक्टर ट्रॉली जब्त की है

ऑपरेशन महादेव: पहलगाम आतंकी हमले का मास्टरमाइंड अपने दो साथियों सहित श्रीनगर मुठभेड़ में ढेर

श्रीनगर, 28 जुलाई । ऑपरेशन महादेव के तहत सेना के विशिष्ट पैरा कमांडो ने सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले के मास्टरमाइंड और उसके दो साथियों को श्रीनगर के बाहरी हरवान के मुलनार इलाके में मुठभेड़ में मार गिराया। आतंकियों के शवों के साथ हथियार भी बरामद किए गए हैं।

अधिकारियों के मुताबिक सुलेमान उर्फ आसिफ जिसे 22 अप्रैल के हमले का मास्टरमाइंड माना जा रहा है, पहलगाम हमले के अपराधियों द्वारा इस्तेमाल किए गए सैटेलाइट फोन के इस्तेमाल का संकेत देने वाले तकनीकी संकेत मिलने के बाद सुरक्षाबलों ने ऑपरेशन महादेव शुरू करने के बाद ढेर कर दिया। मुठभेड़ में मारे गए अन्य आतंकियों की पहचान जिबरान (जो पिछले साल सोनमर्ग सुरंग) हमले में शामिल था व हमजा अफगानी के रूप में हुई है।

पहलगाम के बैसरन मैदानी इलाकों में आतंकियों ने 26 लोगों जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे, की गोली मारकर हत्या कर दी थी जिसके बाद सशस्त्र बलों ने 7 मई को पाकिस्तान में आतंकी ढांचे के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था।

अधिकारियों ने बताया कि खुफिया जानकारी मिलने के बाद इलाके में आतंकियों के एक और समूह की मौजूदगी का पता चला है, जिसके बाद सेना और अन्य सुरक्षा बलों की अतिरिक्त टुकड़ियां भेजी गई हैं। मारा गया जिबरान पिछले साल अक्टूबर में गगनगीर में सोनमर्ग सुरंग परियोजना पर हुए आतंकी हमले में शामिल था। इस हमले में

एक डॉक्टर समेत सात लोग मारे गए थे। मुठभेड़ स्थल से एक एम4 कार्बाइन राइफल, दो एके राइफल और अन्य हथियार बरामद किए गए हैं। मारे गए आतंकियों के शव स्थानीय पुलिस को सौंप दिए गए हैं जिससे पहचान प्रक्रिया में मदद हो तथा मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार कानूनी औपचारिकताएं और अंतिम संस्कार किए जा सकें।अधिकारियों ने बताया कि आज लगभग 11:30 बजे 24 राष्ट्रीय राइफल्स और 4 पैरा यूनिट के जवानों वाली एक पार्टी ने तीन आतंकियों के समूह का पता लगाया।

पुलिस महानिरीक्षक (कश्मीर क्षेत्र) वी.के. बिरदी ने कहा कि यह एक लंबा अभियान था जो अंतिम रिपोर्ट मिलने तक जारी था। इससे पहले श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा था कि ऑपरेशन महादेव के तहत तीन आतंकी मारे गए। सेना की चिनार कोर ने कहा कि एक भीषण गोलीबारी में तीन आतंकियों को मार गिराया गया है। ऑपरेशन जारी है

कुपवाड़ा में एक आतंकवादी सहयोगी गिरफ्तार, भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

कुपवाड़ा, 28 जुलाई । सुरक्षा बलों ने सोमवार को क्रालपोरा के चौकीबल स्थित मरसरी गांव में एक संयुक्त घेराबंदी और तलाशी अभियान के दौरान एक आतंकवादी सहयोगी को गिरफ्तार किया।

यह अभियान 05 पैरा, 160 प्रादेशिक सेना, 98 बटालियन सीआरपीएफ, विशेष अभियान समूह (एसओजी) क्रालपोरा और पुलिस स्टेशन क्रालपोरा ने क्षेत्र में एक आतंकवादी सहयोगी की गतिविधि के बारे में विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर संयुक्त रूप से शुरू किया। अभियान के दौरान मरसरी निवासी वली मोहम्मद मीर को गिरफ्तार किया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ, जिसमें एक एके-56 राइफल, 3 एके-56 मैगज़ीन, 1150 एके-56 राउंड, 17 यूबीजीएल ग्रेनेड शामिल है।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि पकड़ा गया व्यक्ति प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों के लिए आतंकवादी सहयोगी के रूप में काम कर रहा था और क्षेत्र में सक्रिय आतंकवादियों तक हथियार और गोला-बारूद पहुंचाने में शामिल था। क्रालपोरा पुलिस स्टेशन में कानून के संबंधित प्रावधानों के तहत प्राथमिकी संख्या 53/2025 दर्ज की गई है और आगे की जांच जारी है।

श्री बूढ़ा अमरनाथ यात्रा के लिए श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को उपराज्यपाल ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

जम्मू, 28 जुलाई । उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने सोमवार को भगवती नगर यात्री निवास से पवित्र श्री बूढ़ा अमरनाथ जी यात्रा के लिए श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

उपराज्यपाल ने सभी तीर्थयात्रियों को सुरक्षित और आध्यात्मिक रूप से परिपूर्ण यात्रा की शुभकामनाएं दीं। उपराज्यपाल ने कहा कि महादेव के निवास की पवित्र यात्रा एक ज्ञानवर्धक अनुभव है। मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह भक्तों के सामने जीवन के रहस्यों को उजागर करती है।

उपराज्यपाल ने बाबा अमरनाथ और बूढ़ा अमरनाथ यात्री न्यास, पर्यटन विभाग, जिला प्रशासन, अन्य हितधारकों और लंगर सेवा प्रदान करने वाले संगठनों द्वारा किए गए सावधानीपूर्वक कार्य की सराहना की। वार्षिक तीर्थयात्रा और बूढ़ा अमरनाथ जी मेले, वार्षिक उत्सव के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। मीडिया से बात करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि पहले जत्थे में देश भर से 1000 से अधिक तीर्थयात्री श्री बूढ़ा अमरनाथ जी की पवित्र यात्रा के लिए रवाना हुए। वहीं दूसरी ओर कल तक 3.77 लाख तीर्थयात्री श्री अमरनाथ जी की पवित्र गुफा के दर्शन कर चुके हैं। मुझे आशा है कि देश भर से तीर्थयात्री श्री बूढ़ा अमरनाथ जी के दर्शन करने आएंगे और भोलेनाथ से जम्मू-कश्मीर और राष्ट्र की शांति और प्रगति के लिए प्रार्थना करेंगे।

उपराज्यपाल ने जम्मू में आतंकवाद पीड़ितों के 80 रिश्तेदारों को नियुक्ति पत्र सौंपे

मैं आतंकवाद पीड़ित परिवारों को आश्वस्त करता हूँ कि अपराधियों को दंडित किया जाएगा-उपराज्यपाल

जम्मू, 28 जुलाई।उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने जम्मू में आतंकवाद पीड़ितों के 80 निकटतम संबंधियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। बारामूला में हुए ऐतिहासिक आयोजन के बाद, जहाँ 40 आतंकवाद पीड़ित परिवारों को नियुक्ति पत्र मिले, यह जम्मू कश्मीर में आतंकवाद से पीड़ित लोगों को न्याय दिलाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। आतंकवाद पीड़ितों के परिवारों ने साहसपूर्वक अपनी बात रखी, अपने कष्टदायक अनुभव साझा किए और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों और उनके समर्थकों की भूमिका को उजागर किया। उपराज्यपाल ने नागरिक शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और आतंकवाद के शिकार परिवारों के दर्द और दुःख को साझा किया। उपराज्यपाल ने कहा जम्मू-कश्मीर के आम नागरिकों ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों और उनके पीछे लगे आतंकी तंत्र के कारण अकल्पनीय आघात सहा है। आतंकवाद पीड़ित परिवारों को डरा-धमकाकर चुप करा दिया गया। अपराधियों और उनकी मदद करने वालों को बचाने के लिए उनकी पीड़ा को नज़रअंदाज़ कर दिया गया। माननीय

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में, हम आतंकवाद को कुचलने और आतंकी संगठनों की मदद करने वालों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए दृढ़ संकल्पित हैं।

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने लद्दाख का दौरा किया, परिचालन तैयारियों की समीक्षा की

श्रीनगर, 28 जुलाई । थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आज उभरती हुई तकनीकों को अपनाने और भविष्य के लिए तैयार सेना बने रहने के लिए निरंतर विकास की आवश्यकता पर बल दिया।

लेह स्थित फायर एंड फ्यूरी कोर मुख्यालय और सियाचिन ब्रिगेड के अपने दौरे के दौरान सेना प्रमुख ने परिचालन तैयारियों की समीक्षा की और दुनिया की सबसे चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सैनिकों की व्यावसायिकता और अनुकरणीय सेवा के लिए उनकी सराहना की।

सेना प्रमुख लेह स्थित फायर एंड फ्यूरी कोर और सियाचिन ब्रिगेड के मुख्यालयों का दौरा करने के बाद सैनिकों को संबोधित कर रहे थे ताकि परिचालन तैयारियों

की समीक्षा की जा सके।सेना के अतिरिक्त लोक सूचना महानिदेशालय (एडीजीपीआई) ने कहा कि सैनिकों को संबोधित करते हुए सीओएएस ने उभरती हुई तकनीकों को अपनाने और भविष्य के लिए तैयार सेना बने रहने के लिए निरंतर विकास की आवश्यकता पर बल दिया।

सुजीत कुमार को आईजीपी अपराध का अतिरिक्त प्रभार सौंपा

जम्मू, 28 जुलाई। जम्मू-कश्मीर सरकार ने डॉ. सुनील गुप्ता, आईपीएस (2005) को आईजीपी अपराध जम्मू-कश्मीर के पद से कार्यमुक्त कर दिया है ताकि वे 28 जुलाई से केंद्र शासित प्रदेश के बाहर नया कार्यभार संभाल सकें। इसके परिणामस्वरूप, सुजीत कुमार, आईपीएस (2007), जो वर्तमान में आईजीपी सुरक्षा जम्मू-कश्मीर के पद पर कार्यरत हैं, को अगले आदेश तक आईजीपी अपराध जम्मू-कश्मीर का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है।

ऑपरेशन सिंदूर उद्देश्य पूरा होने के बाद स्थगित या रोकने का कोई दबाव नहीं था : राजनाथ

नई दिल्ली,28 जुलाई । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को लोकसभा में कहा कि ऑपरेशन सिंदूर को इसलिए स्थगित कर दिया गया क्योंकि सशस्त्र बलों ने वांछित राजनीतिक-सैन्य उद्देश्य हासिल कर लिए थे और इसे समाप्त करने का कोई दबाव नहीं था। निचले सदन में पहलगाम आतंकवादी हमलों और ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष बहस के दौरान अपने उद्घाटन भाषण में रक्षा मंत्री ने कहा कि अगर पाकिस्तान कोई नया दुस्साहस करता है, तो वह फिर से शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि सशस्त्र बल भारत की सीमाओं की रक्षा के लिए हमेशा सतर्क रहते हैं और यह सैन्य अभियान नौ आतंकवादी ठिकानों पर एक प्रभावी और समन्वित हमला था। सिंह ने सदन को बताया कि सात आतंकवादी शिविर पूरी तरह से नष्ट कर दिए गए और भारत के पास पीओके और पाकिस्तान में हुए नुकसान के सबूत हैं। पूरा ऑपरेशन 22 मिनट में खत्म हो गया और पहलगाम में हुई हत्याओं का बदला ले लिया गया। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये हमले किसी भी तरह से तनाव बढ़ाने वाले नहीं थे। सिंह ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम देने से पहले, हमारी सेनाओं ने हर पहलू का अध्ययन किया और वह विकल्प चुना जिससे आतंकवादियों को अधिकतम नुकसान हो और निर्दोष नागरिकों को कोई नुकसान न पहुँचे। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह कहना या मानना कि ऑपरेशन सिंदूर किसी दबाव में रोका गया था, निराधार और पूरी तरह से गलत है।

जम्मू-कश्मीर में मनाया गया विश्व हेपेटाइटिस दिवस

श्रीनगर, 28 जुलाई । जम्मू-कश्मीर के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में आज विश्व हेपेटाइटिस दिवस मनाया गया। विश्व हेपेटाइटिस दिवस प्रतिवर्ष 28 जुलाई को मनाया जाता है। यह एक वैश्विक स्वास्थ्य दिवस है जो वायरल हेपेटाइटिस जो यकृत की एक गंभीर सूजन है के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर केंद्रित है।

इस वर्ष की थीम 'हेपेटाइटिस- आइए इसे तोड़ें' थी जिसमें परीक्षण, उपचार और रोकथाम में आने वाली बाधाओं को दूर करने

की आवश्यकता पर बल दिया गया। यह दिवस देशों से परीक्षण और उपचार तक पहुँच बढ़ाने और इस रोकथाम योग्य बीमारी से निपटने के लिए टीकाकरण, सुरक्षित इंजेक्शन पद्धतियों और सामुदायिक भागीदारी को प्राथमिकता देने का आह्वान करता है।

चिकित्सा जगत को इस विशाल जन स्वास्थ्य चुनौती से पूरी लगन से निपटने की सलाह दी गई है। उन्हें रक्त/अंग दाता/प्राप्तकर्ता, हेमोडायलिसिस पर चल रहे रोगियों, गर्भवती महिलाओं, कैदियों, प्रेरित नशा उपयोगकर्ताओं (आईडीयू) और अन्य जैसे उच्च जोखिम वाले वर्गों के बीच व्यापक जागरूकता पैदा करने पर ज़ोर दिया गया है।राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन जम्मू-कश्मीर के अंतर्गत विश्व हेपेटाइटिस दिवस-2025 की पूर्व संध्या पर केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में 135 शिविर आयोजित किए गए और 103 रैलियाँ निकाली गईं। उच्च जोखिम समूहों और अन्य लक्षित समूहों जैसे गर्भवती महिलाओं, हेमोडायलिसिस पर चल रहे रोगियों और रक्तदाताओं सहित लगभग 14578 व्यक्तियों की हेपेटाइटिस-बी और सी के लिए जाँच की गई। इसके अलावा यह बताना उचित होगा कि विश्व हेपेटाइटिस दिवस-2025 की पूर्व संध्या पर सभी स्वास्थ्य कर्मियों में हेपेटाइटिस-बी संक्रमण और उससे जुड़ी जटिलताओं की रोकथाम के लिए केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न स्वास्थ्य कर्मियों को हेपेटाइटिस-बी का टीका लगाया गया।

आज जिस तेजी से दुनिया की जनसंख्या बढ़ रही है, उस हिसाब से इस दवा उद्योग का भी विस्तार हो रहा है. इस क्षेत्र में रोजगार के अवसर हमेशा ही मौजूद हैं. दुनिया की विशाल आबादी के बीच औषधि का कारोबार भी बढ़ता जा रहा है. औषधि उद्योग, जिसे फार्मा इंडस्ट्री के नाम से भी जाना जाता है, का विस्तार उदारीकरण के बाद रिसर्च एंड डेवलपमेंट से लेकर मैन्युफैक्चरिंग, क्लीनिकल ट्रायल, जेनेटिक ड्रग तक हो चुका है.

रोजगार के द्वार खोलती फार्मा इंडस्ट्री

फार्मा में बढ़ रही है मांग

दवाओं के वितरण से लेकर मार्केटिंग, पैकेजिंग और मैनेजमेंट सभी फार्मास्यूटिकल के अहम हिस्से हैं. इसमें भारत की भागीदारी अहम है. ज्यादातर कंपनियों को यहां अपने उद्योग को बढ़ाने और फलने-फूलने का मौका मिलता है. एक अनुमान के मुताबिक इस क्षेत्र में आज तकरीबन पांच लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है. आए दिन इस क्षेत्र की जिस तरह से तरक्की हो रही है, उसमें फार्मा विशेषज्ञ और इससे जुड़े लोगों की मांग और बढ़ेगी.

इन जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ही देशभर में कुशल या दक्ष फार्मासिस्ट तैयार करने के लिए जगह- जगह फाम्रेसी के कॉलेज खोले जा रहे हैं. पहले से भी सरकारी स्तर पर जिला और राज्य स्तर पर फार्मेसी कॉलेज चल रहे हैं. उनमें डिग्री, डिप्लोमा से लेकर रिसर्च का काम हो रहा है. कार्य क्षेत्र सामान्य उत्पादों की मार्केटिंग के लिए जहां सीधे डीलर या कस्टमर से संपर्क करना होता है, वहीं दवाओं की मार्केटिंग में डॉक्टर भी अहम कड़ी होता है. दवाओं के बारे में डॉक्टरों को संतुष्ट करना जरूरी है, तभी वे इसे मरीजों के प्रिस्क्रिप्शन में लिखते हैं. कौन सी दवाएं किस रोग के इलाज में असरदार होंगी, इसका ज्ञान औषधि विशेषज्ञ के पास ही होता है. उसे रिसर्च करके आए दिन नई-नई दवाएं और ड्रग्स भी विकसित करने पड़ते हैं. इसलिए फार्मा मैनेजमेंट के क्षेत्र में काम करने के लिए दवाओं की बिक्री के साथ-साथ उसमें इस्तेमाल होने वाले पदार्थ व तकनीक के ज्ञान की भी अपेक्षा होती है.

इस तरह के हुनर से लैस लोगों को दवा के निर्माण, मार्केटिंग से लेकर वितरण तक अपनी भूमिका निभानी पड़ती है. फार्मासिस्ट को अस्पतालों में, डिस्पेंसरी और मेडिकल स्टोर में इस काम के लिए विशेष रूप से रखा जाता है. इसके अलावा बाजार में जगह बनाने के लिए बतौर मेडिकल रिप्रजेंटेटिव और मार्केटिंग ऑफिसर के रूप में आगे आना पड़ता है.

मेडिकल साइंस से जुड़े विषय की करें पढ़ाई

दाखिले की प्रक्रिया इस क्षेत्र में आने के लिए 10वीं से ही खुद को दिमागी तौर पर तैयार रखना पड़ता है क्योंकि इसमें 12वीं के अंकों के आधार पर उन्हीं छात्रों को दाखिला दिया जाता है जिन्होंने मेडिकल साइंस से जुड़े विषय की पढ़ाई की है.

छात्रों को न्यूनतम पचास फीसद अंक के साथ बारहवीं में जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, जूलॉजी आदि विषय पढ़ा होना चाहिए. कोर्स की पढ़ाई के लिए मेडिकल साइंस और बायोलॉजी में रुचि और उसकी समझ होना जरूरी है. इसके अलावा इनोवेटिव आइडिया की भूमिका अहम है. अनुसंधान यानी जांच-पड़ताल की समझ होना जरूरी है. वेतनमान बीफार्मा की डिग्री धारकों को आमतौर पर बाजार में 25 से 30 हजार की नौकरी मिल जाती है. इसमें जो छात्र डिप्लोमा करते हैं उन्हें मेडिकल सेंटर या केमिस्ट शॉप पर सेल्स व मार्केटिंग के काम में शुरुआती स्तर पर 20 से 25 हजार रुपये प्रतिमाह मिलते हैं. रिसर्च स्तर के छात्रों को 30 से 40 हजार प्रतिमाह पैकेज दिया जाता है. सस्ती व प्रभावी दवाएं चिकित्सा जगत में हाथों-हाथ ली जाती हैं. पुरानी दवाओं में भी समय रहते सुधार कर सकते हैं. काफी मेहनत के बाद पहचान मिलती है. दवाओं और ड्रग्स का निर्माण या विकास भी इस क्षेत्र में काफी हुनर की अपेक्षा रखता है.

विभिन्न कोर्स

डिप्लोमा इन फाम्रेसी बैचलर इन फाम्रेसी बीबीए फार्मा मैनेजमेंट एमबीए इन फार्मा मैनेजमेंट मास्टर इन फाम्रेसी पीएचडी इन फार्मेसी क्या है. सिलेबस फाम्रेसी से जुड़ा डिप्लोमा कोर्स दो साल का है. इसमें छात्रों को फाम्रेसी से जुड़ी आधारभूत चीजें बताई जाती हैं. बीफार्मा चार साल का बैचलर डिग्री कोर्स है. इसमें चार साल के अंदर औषध विज्ञान के विभिन्न पहलुओं के बारे में छात्रों को विस्तार से बताया जाता है. बीफार्मा के बाद पीजी लेवल पर एमफार्मा में स्पेशलाइजेशन का दौर शुरू हो जाता है. इसमें छात्रों को फार्माकोलॉजी, फार्मास्यूटिकल्स, हॉस्पिटल फाम्रेसी, फार्मास्यूटिकल केमिस्ट्री, क्लिनिकल रिसर्च, क्वालिटी सुधार प्रोग्राम, फार्मास्यूटिकल मैनेजमेंट और हर्बल ड्रग टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विशेष रूप से दक्ष बनाया जाता है. पीएचडी में दवाओं और ड्रग्स को लेकर अनुसंधान का काम करना होता है.

संभावनाएं

फाम्रेसी का कोर्स करने के बाद रिसर्च एंड डे वलपमेंट में नौकरी पा सकते हैं. साथ ही फार्मास्यूटिकल्स और मैन्युफैक्चरिंग कंपनी में सेल्स व मार्केटिंग का काम कर सकते हैं. जनसंख्या के अनुपात में बीमारियों की बढ़ोतरी से फार्मा इंडस्ट्री का विस्तार हो रहा है. आज निजी अस्पताल, नर्सिंग होम और क्लीनिक देश के कोने-कोने में खोले जा रहे हैं. सरकारी अस्पताल का भी विस्तार हो रहा है. ऐसे में इन क्षेत्रों में फार्मा स्पेशलिस्ट की मांग काफी है. मेडिकल स्टोर में फार्मासिस्ट के रूप में छात्रों को रखा जाता है. भारत में इस समय 23 हजार से भी अधिक रजिस्टर्ड फार्मास्यूटिकल कंपनियां हैं. इनमें से करीब 300 ऑर्गनाइज्ड सेक्टर में हैं. अनुमान के मुताबिक इस क्षेत्र में करीब पांच लाख लोगों को नौकरी मिली हुई है. मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव, प्रोडक्ट्स एग्जीक्यूटिव, बिजनेस अधिकारी व एग्जीक्यूटिव, प्रोडक्शन केमिस्ट, क्वालिटी कंट्रोल और इंश्योरेंस एग्जीक्यूटिव जैसे पद पर निजी कंपनियों में काम करने का मौका मिलता है. एमफार्मा करने के बाद साइंटिस्ट और रिसर्च ऑफिसर जैसे पद पा सकते हैं. फार्मेसी कॉलेज में अध्यापन का काम भी कर सकते हैं. रिसर्च और दवा निर्माता कंपनियों में प्रोडक्शन के काम से जुड सकते हैं.

अवसरों के द्वार खोलने को तैयार नैनो टेक्नोलॉजी

नैनो टेक्नोलॉजी को भविष्य की तकनीक भी कहा जाता है. 21वीं सदी में साइंस के कदम जिस ओर सबसे अधिक बढेंगे, उनमें नैनो साइंस एक है. इस क्षेत्र में करियर और काम करने की अपार संभावनाओं को देखते हुए ही देश के कई कॉलेज और संस्थान अपने यहां नैनो टेक्नोलॉजी का कोर्स चलाने लगे हैं. कहीं यह सर्टिफिकेट कोर्स के रूप में है तो कहीं डिप्लोमा या डिग्री के रूप में. इस कोर्स को कराने का मकसद छात्रों को नैनोमैटीरियल्स और नैनो टेक्नोलॉजी के प्रायोगिक और सैद्धांतिक पहलू से रू-ब-रू कराना होता है. इस क्षेत्र में रिसर्च की संभावनाओं को बढ़ावा देना है. दिल्ली विश्वविद्यालय में इन संभावनाओं को देखते हुए ही नैनो साइंस टेक्नोलॉजी में एमटेक का तीन वर्षीय कोर्स पांच साल पहले शुरू किया गया था.

कोर्स में क्या है

कोर्स में छात्रों को पहले पहल नैनो स्केल साइंस और तकनीक से परिचय कराया जाता है. प्राचीन भारत में भारतीय मेडिसिन में इसका रोल क्या रहा है और उसके नैनो टेक्नोलॉजी में साइंस का फंडामेंटल क्या है, इसकी जानकारी दी जाती है. इसके तहत इलेक्ट्रांस, आयंस, एटम्स, मैटीरियल सहित फोटोंस आदि के साथ इंटरएक्शन दिखाया जाता. इसमें मैटीरियल साइंस की पढ़ाई भी कराई जाती है. यहां नैनो मैटीरियल के उद्योगों में नैनो मैटीरियल्स के प्रयोग के बारे में बताया जाता है. कोर्स में थियरी पेपर और लैबोरेटरी वर्क और प्रोजेक्ट वर्क का काम भी कराया जाता है. छात्रों को प्रोजेक्ट वर्क किसी उद्योग, रिसर्च संस्थान और प्रयोगशाला में करना होता है. उसके कार्य का विशेषज्ञ मूल्यांकन करते हैं.

नैनो टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल

देश-विदेश में एटमोस्फेयर, एयरोस्पेस टेली कम्यु निकेशन, सौर ऊर्जा, कंप्यूटिंग, मेडिसिन जैसे क्षेत्रों में इसका इस्तेमाल चल रहा है.

इस क्षेत्र में काम करने वालों ने नैनो की मदद से ऐसा फैब्रिक बनाया है, जिसके बने कपड़े पर किसी रसायन या जैविक हमले का असर नहीं होगा. इसको आग और पानी से नुकसान नहीं पहुंचेगा. इन रिसर्चरों ने ऐसी तकनीक भी बनाई है जिससे पर्यावरण में आने वाले बदलाव को समझा जा सके. इस क्षेत्र में बायो नैनो टेक्नोलॉजी की मदद से ऐसे कण बनाए गये हैं जो शरीर की कोशिकाओं और ऊतकों में दवा पहुंचाने का काम करेगी.

दाखिले की प्रक्रिया

दिल्ली विश्वविद्यालय में रजिस्ट्रेशन का काम 28 जून तक चलेगा. कोर्स में दाखिले की प्रक्रिया दो तरह से आयोजित की जाती है. पहला आईआईटी में रसायन और भौतिकी में एमएससी में दाखिले के लिए आयोजित जैम यानी संयुक्त प्रवेश परीक्षा उत्तीर्ण छात्र यहां आवेदन कर सकते हैं. इसके अलावा, इस कोर्स में उन छात्रों को भी दाखिले का मौका दिया जाता है जो दिल्ली विश्वविद्यालय की एमएससी प्रवेश परीक्षा में अव्वल आते हैं. इनके लिए भी कुछ सीटें आरक्षित हैं. कुल 15 सीटें हैं. आवेदन के बाद साक्षात्कार की प्रक्रिया से गुजरना होता है. इसके बाद छात्रों की लिस्ट लगाई जाती है. इस कोर्स में अन्य संस्थान भी आमतौर पर दाखिला उन्हीं छात्रों को देते हैं जिनका बैकग्राउंड साइंस का हैं तथा जिन्होंने 12वीं में भौतिकी, रसायन, गणित और जीव विज्ञान पढ़ा है और ग्रेजुएशन भी साइंस से किया है. इससे जुड़े कोर्स में दाखिला कहीं एप्टीट्यूट टेस्ट पर तो कहीं मेरिट के आधार पर होता है. आईआईटी में इसकी पढ़ाई हो रही है. इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बेंगलूर, इं द्रप्रस्थ विश्वविद्यालय और एमिटी यूनिवर्सिटी जैसे कई नामचीन संस्थान भी इससे जुड़े कोर्स चला रहे हैं.

करियर की संभावनाएं

इस कोर्स को करने वालों के लिए आज विभिन्न सेक्टरों में ढेरों अवसर सामने हैं. वे चाहें तो नैनो-मेडिसिन के क्षेत्र में काम कर सकते हैं. स्टेम सेल डेवलपमेंट, फार्मास्यूटिकल्स कंपनी, नैनो-टॉक्सिकोलॉजी आदि कई ऐसे क्षेत्र है जहां काम करने का मौका मिलेगा. सीएसआई यानी काउंसिल ऑफ साइं टिफिक एंड इंडस्ट्रियल रिसर्च ने देशभर में 38 लैबारेटरी बनायी हैं जहां इस क्षेत्र में अनुसंधान और डेवलपमेंट के क्षेत्र में काम किया जा सकता है. विशेषज्ञों के मुताबिक, छात्रों के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम करने के भी कई अवसर हैं. भारत सरकार ने साइंस में इसका रोल समझते हुए विज्ञान और तकनीक विभाग में एक अलग शाखा के रूप में नैनो टेक्नोलॉजी को स्वीकृति दी है. अभी इस साइंस के विशेषज्ञ बहुत कम हैं इसलिए नौकरी आसानी से मिल जाती है.

फिजियोथैरेपी से संवारें अपना भविष्य

फिजियोथैरेपी चिकित्सा विज्ञान की वह शाखा है जिसमें शारीरिक व्यायाम और कुछ मशीनरी के सहयोग से हड्डियों और मांसपेशियों की बीमारियों को ठीक किया जाता है. आज हाईटेक लाइफस्टाइल के कारण ज्यादातर लोगों को हड्डियों और मांसपेशियों की समस्याएं ज्यादा होती हैं, जिसके कारण इस क्षेत्र में इलाज की मांग भी तेजी से बढ़ रही है. फलस्वरूप रोजगार का आगाज भी तेजी से हो रहा है. फिजियोथैरेपी, चिकित्सा विज्ञान की वह शाखा है जिसमें शारीरिक व्यायाम और कुछ मशीनरी सहयोग से हड्डियों और मांसपेशियों की बीमारियों को ठीक किया जाता है. इसके सहयोग से निष्क्रिय पड़ी मांसपेशियों को क्रियाशील बनायी जाती है. फलस्वरूप, रोजगार का आगाज भी तेजी से हो रहा है. उल्लेखनीय है कि इस प्रक्रिया में दवाइयों का सेवन लगभग न के बराबर होता है, अत- इसका साइड इफेक्ट नहीं होता है. चूंकि यह प्रक्रिया एक्सरसाइज और मशीनरी के सहयोग से पूरी की जाती है, अत- इसका लाभ भी ज्यादा होता है. इस तकनीक के विशेषज्ञ को फिजियोथैरेपिस्ट कहते हैं. फिजियोथैरेपी के सहयोग से शरीर की क्रियान्वयन क्षमता बढ़ती है. इसका प्रयोग ज्यादातर शारीरिक रूप से कमजोर लोगों, स्पोर्ट्सपर्सन, हड्डियों की समस्या से जूझ रहे लोगों और न्यूरोलॉजिकल प्रॉब्लम्स के इलाज में इसका प्रयोग किया जाता है. प्रमुख शिक्षण संस्थान- गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय, हिसार कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज, मणिपुर इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकली हैंडीकैप्ड, नई दिल्ली निजाम इंस्टीट्यू ट ऑफ मेडिकल साइंस, हैदराबाद.

पाठ्यक्रम - इस क्षेत्र में ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन के स्तर की पढ़ाई होती है. इसके अलावा, इसमें पीएचडी भी होती है. बैचलर स्तर के कोर्स को बैचलर ऑफ फिजियोथैरेपी यानी बीपीटी कहते हैं जबकि पीजी स्तर पर मास्टर ऑफ फिजियोथैरेपी यानी एमपीटी का कोर्स किया जाता है. इसके अलावा, कुछ शिक्षण संस्थान डिप्लोमा कोर्स भी कराते हैं. सामान्यत- स्नातक स्तर का कोर्स साढ़े चार साल का होता है जिसमें अंतिम छह महीने इंटर्नशिप के होते हैं, जबकि पोस्ट ग्रेजुएशन का कोर्स दो साल का होता है. इसके अंतर्गत, न्यू रो लॉजिकल, फिजियोथैरे पी, स्पोर्ट्स फिजियोथैरेपी, पेडियाट्रिक फिजियोथैरेपी आदि में विशेषज्ञता हासिल की जाती है. इसके अलावा, ऑनलाइन कोर्स भी इस क्षेत्र में उपलब्ध है. इन पाठ्यक्रमों के तहत, मूवमेंट साइंस, आर्थोपेड्रिक्स, न्यूरोलॉजिकल साइंस आदि के बारे में अध्ययन कराया जाता है.

योग्यता - इस पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए बारहवीं में बायोलॉजी, फिजिक्स और केमेस्ट्री में उत्तीर्ण होना जरूरी है. नौकरियां इसमें सरकारी और निजी दोनों सेक्टरों में रोजगार के अवसर हैं. अस्पतालों, मानसिक स्वास्थ्य केंद्रों, स्पोर्ट्स एकेडमी, फिटनेस सेंटर में नौकरी की तलाश की जा सकती है. साथ ही, स्वयं का फिजियोथैरेपी सेंटर भी खोला जा सकता है. शिक्षण संस्थान में बतौर प्राध्यापक भी काम कर सकते हैं. व्यक्तिगत गुर इसमें लोगों की समस्याओं को समझने का हुनर होना जरूरी है. धैर्य होने की काफी जरूरत है क्योंकि इस सेक्टर में इलाज के लिए वही आता है जो अपनी बीमारी से आजिज हो चुका होता है. इसमें धैर्य की भी काफी जरूरत होती है. एक्सरसाइज कराने का सही तरीका आना जरूरी है ताकि इलाज में आसानी रहे.

आमदनी - इस सेक्टर में अनुभव के आधार पर लाख रुपये तक मासिक आमदनी की जा सकती है. वैसे तो बतौर, ट्रेनी फिजियो के तौर पर बारह से पंद्रह हजार की सेलरी मिल सकती है. इसके अलावा, स्वयं के निजी सेंटर से सिटिंग के आधार पर दो सौ से पांच सौ रुपये प्रतिघंटे कमाया जा सकता है. प्राध्यापक के तौर पर पचास हजार से एक लाख रुपये तक की मासिक आमदनी संभव है.

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

कुपवाड़ा ने आईडीपीएल बेसबॉल अंडर-19 बालक चैंपियनशिप जीती

कुपवाड़ा, 28 जुलाई (हि.स.)। अंतर जिला प्रांतीय स्तर (आईडीपीएल) बेसबॉल अंडर-19 बालक चैंपियनशिप आज कुपवाड़ा जिले के पुंजवा स्थित हकनियाबाद स्पोर्ट्स स्टेडियम में संपन्न हुई। इस चैंपियनशिप में कुपवाड़ा की टीम ने पुलवामा के खिलाफ फाइनल मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया।

रोमांचक फाइनल में कुपवाड़ा की टीम ने एक मजबूत लक्ष्य निर्धारित करते हुए 4 होम रन पूरे किए। पुलवामा की टीम को खिताब जीतने के लिए 5 होम रन की आवश्यकता थी लेकिन वह पूरे मैच के दौरान केवल एक होम रन ही पूरा कर पाई। इस प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ कुपवाड़ा की टीम ने प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम कर लिया।

युवा सेवा एवं खेल जिला कुपवाड़ा ने कुपवाड़ा की टीम को उनकी शानदार जीत के लिए बधाई दी और पुलवामा की टीम को उनके प्रयासों और खेल भावना के लिए शुभकामनाएं दीं। इसके अलावा विभाग ने बताया कि अंडर-14 बॉयज़ बेसबॉल टीमें आगामी मैचों के लिए आने वाली हैं जो 29 से 30 जुलाई 2025 तक उसी स्थान हकनियाबाद स्पोर्ट्स स्टेडियम पुंजवा में आयोजित किए जाएंगे।

आईआईएम जम्मू, पीएचडीसीसीआई ने छात्रों के जमीनी अध्ययन के लिए संयुक्त रणनीति पर चर्चा की

जम्मू, 28 जुलाई (हि.स.)। आईआईएम जम्मू, पीएचडीसीसीआई ने अध्ययन के जमीनी अध्ययन के लिए संयुक्त रणनीति पर चर्चा की पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) जम्मू रीजन चैप्टर और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएम) जम्मू ने प्रबंधन के छात्रों को जमीनी स्तर पर प्रदर्शन और व्यावहारिक सीखने के अवसर प्रदान करने के लिए संभावित पहल पर चर्चा की। यह चर्चा आईआईएम जम्मू द्वारा आयोजित बंधन कार्यक्रम के दौरान हुई जिसमें निदेशक आईआईएम जम्मू प्रोफेसर एस.एम. ने भाग लिया।

सहाय, लेफ्टिनेंट जनरल राकेश शर्मा, पद्मश्री एस.पी. वर्मा, मेजर जनरल कपूर, सेवानिवृत्त। निदेशक पर्यटन सौजन्या शर्मा, जितेंद्र उधमपुरी, अलका शर्मा और कई अन्य गणमान्य व्यक्ति। इस अवसर पर बोलते हुए पीएचडीसीसीआई जम्मू क्षेत्र चैप्टर के अध्यक्ष राकेश वजीर ने प्रो. सहाय को आईआईएम जम्मू की योजना और विकास में उनकी गहरी भागीदारी के लिए बधाई दी उन्होंने कहा कि यह वास्तुकला, भूनिर्माण, बुनियादी ढांचे और शैक्षणिक वातावरण के मामले में भारत में बेहतरीन आईआईएम में से एक के रूप में उभरा है।

उन्होंने आईआईएम स्नातकों के वैश्विक प्रभाव को स्वीकार करते हुए कहा दुनिया भर की शीर्ष कंपनियों में नेतृत्व की भूमिकाओं में आईआईएम के पूर्व छात्र हैं जो प्रबंधन उत्कृष्टता को आकार देने और भारत के विकास में योगदान देने में संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है। बंधन कार्यक्रम का जिक्र करते हुए वज़ीर ने उस पहल की सराहना की जिसके तहत प्रबंधन के छात्र जम्मू के स्थानीय परिवारों के साथ उनकी संस्कृति, परंपराओं, व्यंजनों और जीवन शैली को समझने के लिए बातचीत करेंगे जिससे सांस्कृतिक आदान-प्रदान और व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा उन्होंने सुझाव दिया कि होटल एंड रेस्तरां एसोसिएशन, कटरा, जिसके वे प्रमुख हैं, छात्रों को आतिथ्य और पर्यटन से संबंधित व्यवसायों की गहरी समझ देने के लिए कटरा में होटल, रेस्तरां और फूड कोर्ट में अध्ययन दौरों की व्यवस्था कर सकता है।

जीडीसी हीरानगर ने ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया

कठुआ/हीरानगर 28 जुलाई (हि.स.)। सरकारी डिग्री कॉलेज हीरानगर के हिंदी विभाग ने कॉलेज की प्राचार्य डॉ. प्रज्ञा खन्ना के मार्गदर्शन में और कॉलेज की शैक्षणिक आउटरीच एवं अनुभवात्मक शिक्षण पहल के तत्वावधान में आयोजित अपने ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम 2025 का सफलतापूर्वक समापन किया। 5 जुलाई से 25 जुलाई 2025 तक आयोजित इस इंटर्नशिप में भाग लेने वाले छात्रों को सामुदायिक सहभागिता, शोध पद्धति, ग्रामीण प्रलेखन और साहित्यिक-सांस्कृतिक विश्लेषण का व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया, जो विशेष रूप से उन्नत भारत अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप था। इस कार्यक्रम में हिंदी विभाग के अंतिम वर्ष के स्नातक छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। संकाय सदस्यों प्रोफेसर राकेश शर्मा (विभागाध्यक्ष) और डॉ. विजय कुमार के मार्गदर्शन में छात्रों ने घरेलू सर्वेक्षण किए, गोद लिए गए गाँवों का दौरा किया और स्थानीय समुदायों के साथ बातचीत करके सामाजिक चुनौतियों और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के प्रभाव को समझा। प्रशिक्षुओं ने अपने अवलोकनों और विचारों को परियोजना रिपोर्टों और रचनात्मक लेखों में संकलित किया, जिससे उनकी शैक्षणिक और सामाजिक समझ दोनों समृद्ध हुई। समापन सत्र में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. प्रज्ञा खन्ना ने मूल्य-आधारित शिक्षा और कौशल-उन्मुख शिक्षा के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता के लिए विभाग को बधाई दी। उन्होंने छात्रों को सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों, बुनियादी ढाँचे, सेवाओं तक पहुँच आदि के माध्यम से वास्तविक दुनिया के मुद्दों से जुड़े रहने का आग्रह किया।

नए आपराधिक कानूनों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

अवंतीपोरा, 28 जुलाई (हि.स.)। अवंतीपोरा पुलिस ने राजकीय उच्च विद्यालय पस्तूना त्राल में तीन नए आपराधिक कानूनों पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य आम जनता को आपराधिक कानूनों में हाल ही में हुए संशोधनों और परिवर्धनों के बारे में सूचित करना था ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे कानूनी ढाँचे से अच्छी तरह वाकिफ हों और उसका पालन करें। सत्र के दौरान वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी, पुलिस विभाग अवंतीपोरा उमर मंसूर पुलिस चौकी अरिपाल ने नए कानूनों की बारीकियों पर प्रकाश डाला उनके निहितार्थों पर स्पष्टता प्रदान की और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कानूनी नियमों के पालन के महत्व पर ज़ोर दिया।

पीएसए के तहत हिस्ट्रीशीटर को किया गिरफ्तार

कठुआ/बिलावर 28 जुलाई (हि.स.)। राष्ट्रविरोधी तत्वों की गतिविधियों के विरुद्ध एक बड़ी सफलता प्राप्त करते हुए कठुआ पुलिस ने राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में कई बार संलिप्तता के संबंध में एक व्यक्ति को पीएसए के तहत गिरफ्तार किया है। जिला मजिस्ट्रेट कठुआ के निर्देश पर आरोपी बिट्टू राम पुत्र सुभाष चंद्र निवासी गली सदरोटा तहसील लोहाई मल्हार जिला कठुआ के विरुद्ध वारंट जारी किया गया। थाना प्रभारी बिलावर इंस्पेक्टर जहीर मुश्ताक के नेतृत्व में पुलिस थाना बिलावर की पुलिस पार्टी ने आरोपी को गिरफ्तार किया और जम्मू-कश्मीर लोक सुरक्षा अधिनियम 1978 की धारा 8 (1) (ए) के तहत उक्त वारंट को तामील किया, जो जिला पुलिस कठुआ से आरोपी के विरुद्ध डोजियर प्राप्त होने के बाद जिला मजिस्ट्रेट कठुआ द्वारा जारी किया गया था। उक्त आरोपी आपराधिक और राष्ट्र-विरोधी गतिविधियों में लिप्त रहने का आदी था।

तीरंदाज ऋतिक शर्मा, शुभम शर्मा और अमित ठाकुर के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपराज्यपाल से भेंट की

जम्मू 28 जुलाई। राष्ट्रीय स्तर के तीरंदाज ऋतिक शर्मा, शुभम शर्मा और अमित ठाकुर के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से भेंट की। उनके साथ राष्ट्रीय तीरंदाजी टीम की कोच सुश्री अभिलाषा चौधरी भी थीं।

प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने केंद्र शासित प्रदेश में तीरंदाजी और अन्य खेलों को निरंतर प्रोत्साहन और समर्थन देने के लिए उपराज्यपाल का आभार व्यक्त किया। उपराज्यपाल ने तीरंदाज ऋतिक शर्मा को हाल ही में जर्मनी में संपन्न हुए थैन् विश्व विश्वविद्यालय खेलों 2025 में रजत पदक जीतने पर बधाई दी। उन्होंने तीरंदाजों को उनके आगामी खेलों के लिए शुभकामनाएं भी दीं और प्रशासन की ओर से उन्हें हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

आर.एस.पुरा पुलिस ने आठ जुआरियों को गिरफ्तार किया

जम्मू, 28 जुलाई (हि.स.)। सतर्कता और त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना आर.एस.पुरा के प्रभारी निरीक्षक रवि सिंह परिहार के नेतृत्व में क्षेत्र में गश्त के दौर वार्ड संख्या 10 में आठ को पकड़ा और 16,500 की राशि और ताश के पत्तों की दो गड्डियों को जब्त किया। इस पर जुआ अधिनियम की धारा 13 के तहत निरोधात्मक कार्रवाई करते हुए जेएमआईसी आर.एस. पुरा के समक्ष पेश किया गया।

आरोपियों की पहचा कुलदीप कुमार पुत्र साईं दास, शमशेर सिंह पुत्र देविंदर सिंह, दोनों निवासी वार्ड संख्या 10 आर.एस. पुरा, हरमीत सिंह पुत्र गुरमीत सिंह, निवासी वार्ड संख्या 8 आर.एस. पुरा, मोहित कुमार पुत्र विजय कुमार, निवासी वार्ड संख्या 9 आर.एस. पुरा, तिलक राज पुत्र देस राज, निवासी वार्ड संख्या 9 आर.एस. पुरा, मोहम्मद असलम पुत्र खजर मोहम्मद वेद राज पुत्र गोपाल दास, दोनों निवासी ताहल खड़िका, जम्मू, शमी पुत्र बशीर मसीह, निवासी वार्ड संख्या 10 आर.एस. पुरा के रूप में हुई।

उपराज्यपाल ने आईआईटी जम्मू के नए छात्रों के स्वागत में आयोजित उद्घाटन समारोह 'नवरंभ' को किया संबोधित

जम्मू 28 जुलाई (हि.स.)। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान जम्मू में नए बीटेक, एमटेक, पीएचडी और एमएससी छात्रों के स्वागत में आयोजित उद्घाटन समारोह 'नवरंभ' को संबोधित किया। अपने संबोधन में उपराज्यपाल ने सभी छात्रों को उनकी नई यात्रा शुरू करने के लिए बधाई और शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में उनके अनुकरणीय योगदान और दशकों से उल्लेखनीय वैज्ञानिक एवं तकनीकी क्षमताओं के विकास के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों की सराहना की, जिसका दुनिया भर के लोगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

उपराज्यपाल ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तकनीकी उद्यमियों को सुविधाएँ और संसाधन प्रदान करने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। आज का भारत विदेशों की तुलना में आईआईटी स्नातकों को बेहतर अवसर प्रदान करता है और मुझे विश्वास है कि आपकी प्रतिभा और कड़ी मेहनत से भारत भविष्य में नवाचार का केंद्र बनेगा।

उपराज्यपाल ने छात्रों से वैश्विक चुनौतियों के लिए नए समाधान विकसित करने, अप्रत्याशित भविष्य के लिए तैयार रहने और तकनीकी प्रगति में सबसे आगे रहने का आह्वान किया।

उन्होंने आईआईटी जम्मू के संकाय सदस्यों को राष्ट्रीय महत्व के अनुसंधान कार्यक्रमों का विस्तार करने और उद्योग एवं राष्ट्र के सामने आने वाली वास्तविक समस्याओं के समाधान हेतु इंजीनियरिंग शिक्षा के स्तर में सुधार लाने की जिम्मेदारी भी सौंपी। उपराज्यपाल ने कहा ऑपरेशन सिंदूर ने एक स्पष्ट संदेश दिया कि भारत की रक्षा प्रणाली अद्वितीय है। यह सशस्त्र बलों और हमारे इंजीनियरों की एक बड़ी जीत थी और इस ऑपरेशन ने साबित कर दिया है कि पारंपरिक युद्ध का युग समाप्त हो गया है और हमें भविष्य के युद्धों के लिए तैयार रहना होगा। हमें रक्षा क्षेत्र में नए प्रतिमान स्थापित करने होंगे और साइबर सुरक्षा, एआई-संचालित युद्ध और आधुनिक संचार प्रणालियों में नवाचारों को प्रोत्साहित करना होगा।

उपराज्यपाल ने टेक स्टार्टअप्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ऑटोमोबाइल और अंतरिक्ष क्षेत्रों में आईआईटी स्नातकों की भागीदारी और हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर दिया।

उन्होंने आगे कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के साथ-साथ ऊर्जा और पर्यावरण अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र हैं जिनमें निकट भविष्य में आईआईटी इंजीनियरिंग स्नातकों की बुद्धिमत्ता के नेतृत्व की आवश्यकता होगी।

इस अवसर पर उपराज्यपाल ने बीटेक और एमटेक छात्रों के लिए चार नए कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। उन्होंने इस शैक्षणिक सत्र से शुरू होने वाले नए पाठ्यक्रमों और नवाचार एवं स्टार्टअप के विचार को बढ़ावा देने के लिए पाठ्यक्रम में आवश्यक बदलाव करने के लिए आईआईटी जम्मू के निदेशक प्रो. मनोज सिंह गौर और सभी संकाय सदस्यों को बधाई दी।

प्रिडिक्टिव एनालिटिक्स प्रोग्राम डेटा विश्लेषण के माध्यम से भविष्य के परिणामों का पूर्वानुमान लगाएगा। इसके एल्गोरिदम स्वास्थ्य सेवा, जोखिम प्रबंधन, संचालन और विपणन में क्रांति लाने के लिए तैयार हैं। यह न केवल उद्योगों को बेहतर निर्णय लेने में सक्षम बनाएगा, बल्कि इसे शासन और सार्वजनिक सेवाओं में भी लागू किया जा सकता है।

शैक्षणिक पुस्तक मेले का आयोजन

जम्मू, 28 जुलाई (हि.स.)। आर्मी पब्लिक स्कूल दमाना ने अपने छात्रों और उनके अभिभावकों में पढ़ने के प्रति आजीवन प्रेम को बढ़ावा देने के उद्देश्य से स्कूल परिसर में एक जीवंत तीन दिवसीय शैक्षणिक पुस्तक मेले का आयोजन किया। स्कॉलैस्टिक इंडिया के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में विविध आयु वर्ग और पढ़ने की रुचियों के अनुरूप पुस्तकों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शित की गई।

उद्घाटन समारोह बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया और प्रधानाचार्या श्रीमती पुष्पिंदर कौर ने मुख्याध्यापिका श्रीमती अनुरीता कौल और स्कूल की लाइब्रेरियन श्रीमती निर्मल शॉनी की गरिमामयी उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर मेले के शुभारंभ की आधिकारिक घोषणा की। अपने प्रेरक संबोधन में प्रधानाचार्या ने बच्चों के बौद्धिक और भावनात्मक विकास में पठन की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया और छात्रों व अभिभावकों दोनों को पठन को अपनी दैनिक आदत बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

मेले के पहले दिन बालवाटिका पहली से दूसरी कक्षा तक के छात्रों और उनके अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। युवा, नवोदित पाठक चित्र पुस्तकों, परियों की कहानियों, शुरुआती पाठकों, ध्वनि-आधारित कहानियों और इंटरैक्टिव बोर्ड पुस्तकों के जीवंत संग्रह को देखकर बेहद उत्साहित थे-ये पुस्तकें कल्पना को प्रज्वलित करने और बुनियादी पठन कौशल विकसित करने के लिए डिज़ाइन की गई थीं।

नायलॉन धागा (गट्टू) बेचने के आरोप में एक और प्राथमिकी दर्ज की

जम्मू, 28 जुलाई (हि.स.)। खतरनाक नायलॉन धागे (गट्टू) की बिक्री के बारे में विश्वसनीय जानकारी के आधार पर प्रतिबंधित चीनी मांझा, नायलॉन धागे की बिक्री के खिलाफ अपनी कड़ी कार्रवाई जारी रखते हुए आर.एस.पुरा पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने पीएसआई सदाम बशीर के नेतृत्व में आर.एस.पुरा के अधिकार क्षेत्र में आने वाले बाजार में छापेमारी की।

छापेमारी के दौरान पुलिस दल ने नायलॉन धागे (गट्टू) के 9 रोल जब्त किए जो जम्मू जिले में प्रतिबंधित सिंथेटिक नायलॉन धागा बेच रहा था।

महिला सशक्तिकरण और युवा प्रेरणा पर व्याख्यान का आयोजन

राजौरी, 28 जुलाई (हि.स.)। भारतीय सेना ने हट्टा सेरी राजौरी में महिला सशक्तिकरण और युवा प्रेरणा पर एक व्याख्यान का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 50 महिलाओं, बच्चों और स्थानीय निवासियों के साथ-साथ पेडा के 10 सैन्य कर्मियों ने सक्रिय भागीदारी की। इस पहल का उद्देश्य लैंगिक समानता के बारे में जागरूकता बढ़ाना, महिलाओं में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना और युवाओं को एक उद्देश्यपूर्ण और अनुशासित जीवन जीने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य जांच और निःशुल्क दवाइयों के वितरण के लिए एक चिकित्सा शिविर भी लगाया गया। व्याख्यान में महिलाओं को उनके अधिकारों, उपलब्ध अवसरों और उनके सशक्तिकरण के लिए शिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। वक्ता ने शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, उद्यमिता और समाज में निर्णय लेने की भूमिकाओं में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी के महत्व पर ज़ोर दिया। प्रतिभागियों को सद्भावना की पहलों जैसे सिलाई-कढ़ाई पाठ्यक्रम, ब्यूटीशियन प्रशिक्षण, चिकित्सा शिविर, ड्राइविंग प्रशिक्षण आदि का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

सीमेंट इकाई की पर्यावरणीय मंजूरी हेतु जन सुनवाई आयोजित, 6.0 मिलियन टन प्रति वर्ष होगा उत्पादन

कठुआ 28 जुलाई (हि.स.)। 6.0 मिलियन टन प्रति वर्ष सीमेंट उत्पादन क्षमता वाली प्रस्तावित स्टैंडअलोन क्लिंकर ग्राइंडिंग इकाई के लिए सोमवार को कठुआ के बरनोटी में एक जन सुनवाई आयोजित की गई। यह सुनवाई भारत सरकार के पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी पर्यावरणीय प्रभाव आकलन अधिसूचना 2006 के तहत पर्यावरणीय मंजूरी प्राप्त करने की वैधानिक प्रक्रिया के एक भाग के रूप में जम्मू कश्मीर प्रदूषण नियंत्रण समिति जम्मू द्वारा आयोजित की गई थी। प्रस्तावित इकाई जम्मू कश्मीर के जिला कठुआ के गाँव मेरथ और नगरोटा में स्थापित की जानी है। कार्यवाही की निगरानी जेकेपीसीसी के वरिष्ठ अधिकारियों, कठुआ के अतिरिक्त जिला आयुक्त कार्यालय और प्रदूषण नियंत्रण समिति कठुआ के संभागीय अधिकारी द्वारा की गई। इस कार्यक्रम में स्थानीय निवासियों, जन प्रतिनिधियों, पर्यावरण हितधारकों और समुदाय के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी देखी गई, जिन्होंने प्रस्तावित परियोजना के पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभाव के संबंध में महत्वपूर्ण प्रश्न और चिंताएं उठाईं। सत्र के दौरान परियोजना के पर्यावरण सलाहकार ने एक विस्तृत पर्यावरणीय प्रभाव आकलन रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रस्तुति में निर्धारित मानदंडों के अनुसार की गई पर्यावरणीय निगरानी और विश्लेषण के निष्कर्षों पर प्रकाश डाला गया, जिसमें वायु और जल गुणवत्ता, ध्वनि स्तर, पारिस्थितिक प्रभाव और परियोजना के निर्माण एवं संचालन चरणों के दौरान अपनाए जाने वाले शमन उपायों जैसे क्षेत्रों को शामिल किया गया। पारदर्शिता और नियामक मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए पूरी सुनवाई की वीडियोग्राफी की गई और आवाज रिकॉर्ड की गई।

Government of Jammu & Kashmir
Office of the Superintending Engineer
Mechanical & Hospital Circle, Jammu
e-mail:semedj02@gmail.com website: www.mechjmu.co.in
Ph. 0191-2452999

NOTICE INVITING TENDER

For and on behalf of the Lt. Governor of Union Territory of J&K tenders through e-Tenders in two cover system on turnkey basis are invited from registered and reputed firms/contractors having sufficient experience of similar nature of work. Accord of Administrative Approval: Accorded by Chairperson, J&K Services Selection Board Jammu vide Office Order No. 197-JKSSB of 2025 Dated: 25/06/2025

S. No	Description of work	AAA	Earnest Money Deposit(Fixed)	Estimated Cost	Cost of tender document	me of completion	Eligibility criterion of Bidder
1	Design, Supply, Installation Testing and Commissioning of Video Conferencing System along with Acoustics and Lighting at New Office Complex of JKSSB, Muthi Jammu.	Accorded	Rs.3,22,000.00	Rs.1,60,87,000.00	Rs. 3000.00 (Fixed Amount) in the shape of challan through J&K Govt. Treasury indicating treasury Voucher No. & date and also indicating the name of work duly credited to MH-0059(PWD) Misc. Revenue and uploading a copy of treasury challan/receipt on e-tendering portal OR The bidder may deposit tender fee in shape of e-challan through Account No. 0077010200000062, J&K Bank, Gandhi Nagar, IFSC: JAKA0GANDHI of Superintending Engineer/Mechanical& Hospital Circle Jammu. Jammu.IFSC code: JAKA0GANDHI MICR CODE: 180051008	120 days	OEM/Authorized dealers/Registered firms having sufficient experience for the similar nature Work

THE NIT CONSISTING OF QUALIFYING INFORMATION, ELIGIBILITY CRITERIA, BILL OF QUANTITIES (BOQ) SETS OF TERMS & OTHER DETAILS CAN BE VIEWED/ DOWNLOADED FROM THE WEBSITE www.jktenders.gov.in

DIP/J-3988/25
Dtd: 28-7-2025

Sd/-
Superintending Engineer
Mechanical & Hospital Circle
Jammu

बागवानी निदेशक ने विकासात्मक गतिविधियों की समीक्षा के लिए पुंछ का किया दौरा

पुंछ, 28 जुलाई (हि.स.)। जम्मू के बागवानी निदेशक गुल सईद ने बागवानी योजनाओं के कार्यान्वयन का आकलन करने और क्षेत्र में बागवानी क्षेत्र को मज़बूत करने के उद्देश्य से ज़मीनी विकासात्मक गतिविधियों की समीक्षा करने के लिए पुंछ ज़िले का दो दिवसीय व्यापक दौरा किया।दौरे के दौरान सईद के साथ पुंछ के बागवानी प्रमुख संजीव कुमार और विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी थे। उन्होंने पुंछ, लसाना, हरनी, मेंढर, सुरनकोट और बालाकोट ब्लॉकों में कई किसानों के बागों का दौरा किया। उन्होंने एचएडीपी के तहत लाभार्थियों द्वारा स्थापित सेब और अखरोट के विभिन्न मदर ब्लॉकों का उद्घाटन किया।

बागवानों के साथ संवाद कार्यक्रम के दौरान उन्होंने सेब, अखरोट, पेकान और अन्य गुठलीदार फलों के बागों की स्थिति का प्रत्यक्ष मूल्यांकन किया। उन्होंने किसानों को उत्पादकता में सुधार और आय बढ़ाने के लिए उन्नत बागवानी पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

उन्होंने किसानों की चिंताओं का भी समाधान किया और उन्हें विभागीय योजनाओं विशेष रूप से एचएडीपी और जेकेसीआईपी का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जिनका उद्देश्य बागवानी उत्पादकता में सुधार और कृषि आय में वृद्धि करना है। उन्होंने किसानों से आगे आकर एचएडीपी और जेकेसीआईपी पोर्टलों का उपयोग करने, ऑनलाइन आवेदन करने और इन योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने बंदरों और अन्य जंगली जानवरों से प्रभावित क्षेत्रों के लिए जेकेसीआईपी योजना के माध्यम से शुरू की जा रही सौर बाड़बंदी पर प्रकाश डाला।

इसके अलावा निदेशक ने जिले भर में विभिन्न सरकारी फल पौध नर्सरियों, जैसे-अजोटे, पुंछ, अरी, मेंढर और सुरनकोट का निरीक्षण किया और पुंछ जिले में चल रही विभिन्न योजनाओं और विकासात्मक कार्यों के कार्यान्वयन में जिला बागवानी विभाग के कामकाज की सराहना की। निदेशक ने नर्सरी में चल रही विकासात्मक गतिविधियों का जायजा लिया और नर्सरी में गुणवत्तापूर्ण ग्राफ्टेड पौध सामग्री के उत्पादन के संबंध में नर्सरी कर्मचारियों को मौके पर ही निर्देश दिए।

संपादकीय

आकाश से पाकिस्तानी घुसपैठ रोकें

भारतीय वायु क्षेत्र में निगरानी, हथियार गिराने और नशीले पदार्थों की तस्करी के लिए पाकिस्तानी ड्रोनों का प्रवेश एक गंभीर समस्या बन गया है क्योंकि इस प्रकार की गतिविधियाँ एक गंभीर सुरक्षा चिंता का विषय बन गई हैं। यह आश्चर्यजनक है कि भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा हाल ही में की गई सैन्य कार्रवाई, जैसे ऑपरेशन सिंदूर, में ऐतिहासिक हार के बावजूद, पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है और छद्म युद्ध छेड़कर भारत को अस्थिर करने की अपनी पुरानी चालें जारी रखे हुए है। पाकिस्तान द्वारा मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) का उपयोग अंतरराष्ट्रीय नियमों का घोर उल्लंघन है जिससे क्षेत्र में शांति भंग होने की संभावना है। हर घटना के साथ, उचित जवाब देना ज़रूरी हो जाता है। इसी संदर्भ में, सांबा पुलिस ने कथित तौर पर राजपुरा तहसील के चिल्यारी गाँव में सीमा पार से एक पाकिस्तानी ड्रोन द्वारा गिराई गई लगभग 500 ग्राम मादक पदार्थों की खेप बरामद की है, जिससे एक बार फिर साबित होता है कि पड़ोसी देश अडिग है और उसे ऐसी नापाक हरकतों को रोकने के लिए करारा जवाब देने की ज़रूरत है, जो आगे चलकर भारत के हितों के लिए हानिकारक साबित होंगी। यह सर्वविदित है कि इन मादक पदार्थों की खेपों से प्राप्त धन का इस्तेमाल जम्मू-कश्मीर और देश के अन्य हिस्सों में आतंकवाद को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है, इसलिए संबंधित पक्षों के लिए यह ज़रूरी हो गया है कि वे जम्मू-कश्मीर और देश के अन्य हिस्सों से आतंकवाद को खत्म करने के लिए पाकिस्तान की इस गलत गतिविधि को रोकें। यह हैरान करने वाला है कि जब भारत के पास ड्रोन के ज़रिए आसमान में घुसपैठ रोकने की क्षमता है, तो ऐसी खेपें भारतीय अंतरिक्ष में कैसे प्रवेश कर जाती हैं। ऐसा लगता है कि सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था में कुछ खामियाँ हैं, जो दुष्ट देश पाकिस्तान को अपने नापाक मंसूबों को अंजाम देने का मौका दे रही हैं। यह एक बहुत ही गंभीर मुद्दा है और इसे तत्काल प्रभाव से संबोधित किया जाना चाहिए क्योंकि देश अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता नहीं कर सकता या सीमा पार से बार-बार होने वाली घुसपैठ के कारण अपने नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान जोखिम में नहीं डाल सकता। ड्रोन तकनीक का दुरुपयोग करके भारत के हितों को नुकसान पहुँचाने की पाकिस्तान की लगातार कोशिशों को देखते हुए, यह ज़रूरी हो गया है कि भारत सीमा पर निगरानी कड़ी करके, ड्रोन-रोधी तकनीक को उन्नत करके और अंतर-एजेंसी समन्वय बढ़ाकर इन हवाई घुसपैठों के खिलाफ एक दृढ़ और अडिग रुख अपनाए। कुल मिलाकर, इस बढ़ते खतरे से देश की संप्रभुता और उसके नागरिकों की जान की रक्षा के लिए हर संभव कदम उठाए जाने चाहिए।

खेती में किसान-मजदूरों का भाईचारा

इन दिनों खेती-किसानी में धान रोपाई का काम चल रहा है। साल भर में यह एक ऐसा मौका होता है जब किसान और मजदूरों में भाईचारा देखने को मिलता है

अब हमारी खेती स्वावलंबी की जगह परावलंबी हो गई है। जिसमें हर चीज के लिए उसकी निर्भरता बढ़ती चली जा रही है। ट्रैक्टर के लिए ईंधन और ट्रैक्टर मरम्मत के लिए वह शहरों पर निर्भर हो गया। अगर कभी बिगड़ जाता है तब भी मरम्मत के लिए शहर आना पड़ता है। खर्च भी होता है।इन दिनों खेती-किसानी में धान रोपाई का काम चल रहा है। साल भर में यह एक ऐसा मौका होता है जब किसान और मजदूरों में भाईचारा देखने को मिलता है। किसानों को धान रोपाई में मजदूरों की जरूरत होती है, और मजदूरों को काम की। जबकि अन्य दिनों खेती में मशीनीकरण के कारण मजदूरों की जरूरत कम हो गई है। आज खेती के इसी बदलते स्वरूप पर चर्चा करना उचित होगा, जिससे खेती को समग्रता से समझा जा सके।जब मैं बचपन की याद करता हूं, तो उस समय धान रोपाई का काम लोकगीतों के साथ होता था। कभी रिमझिम तो कभी तेज झमाझम बारिश के बीच धान रोपाई का काम होता था। है। धान रोपाई के मजदूरों की टोलियां रंग-बिरंगी क्यारियों सी बिछ गई लगती थी। प्रकृति की लय के साथ मजदूरों का उत्साह भी देखते बनता था। इससे शारीरिक श्रम का कष्ट भी कम हो जाता होगा। क्योंकि यह मेहनत का काम होता है।

यह ऐसा समय होता है जिसमें सबको काम मिलता है, पुरुष, महिला, बुजुर्ग सभी काम करते हैं। यही वह मौका होता है, जब तीज-त्यौहार की शुरूआत होती है। कल ही हरियाली अमावस्या थी। अब रक्षाबंधन आने वाला है। इसके बाद लगातार त्यौहारों का सिलसिला चलता रहता है।मजदूरी के लिए पहाड़ी क्षेत्रों के लोग मैदानी क्षेत्रों में आते हैं। कई कारणों से पहाड़ी इलाकों में खेती उतनी अच्छी नहीं होती, जितनी मैदानी क्षेत्रों में होती है। धान रोपाई व फसल कटाई ऐसा मौका होता है, तब मैदानी क्षेत्र में मजदूरों की जरूरत होती है, और पहाड़ी क्षेत्र के लोग यह काम करने आते हैं। इस तरह किसान व मजदूरों दोनों की जरूरतें पूरी हो जाती हैं। ऐसा सिलसिला बरसों से चलता आ रहा है।

लेकिन मैं यहां खेती-किसानी की मिली-जुली संस्कृति और पारंपरिक खेती की चर्चा करना चाहूंगा। बचपन में हम देखते थे कि किसान खुद से ही खेती का काम करते थे। वे फसलों में बीज के लिए अलग से अनाज रखा करते थे। इस संबंध में उत्तराखंड के बीज बचाओ आंदोलन के कार्यकर्ता विजय जडधारी एक कहावत बताते हैं खाज खाणु अर बीज धरणु। यानी खाने वाला अनाज खाओ पर बीज सुरक्षित रखो। हर बार बीज रखने और हर अगली फसल बोने के साथ पीढ़ियों से लोगों ने बीज बचाकर रखे हैं।

हमारा देश कृषि प्रधान है, यह हम बरसों से सुनते-पढ़ते आ रहे हैं। लेकिन अब किसानों से ज्यादा मजदूरों की संख्या हो गई है। इसका एक कारण खेती का मशीनीकरण होते जा रहा है। हालांकि अब खेती का संकट भी किसी से छिपा हुआ नहीं है। लघु-कुटीर उद्योग भी खत्म हो गए हैं, या काफी कम हो गए हैं।लेकिन मैं यहां खेती-किसानी की मिली-जुली संस्कृति और पारंपरिक खेती की चर्चा करना चाहूंगा। बचपन में हम देखते थे कि किसान खुद से ही खेती का काम करते थे। वे फसलों में बीज के लिए अलग से अनाज रखा करते थे। इस संबंध में उत्तराखंड के बीज बचाओ आंदोलन के कार्यकर्ता विजय जडधारी एक कहावत बताते हैं खाज खाणु अर बीज धरणु। यानी खाने वाला अनाज खाओ पर बीज सुरक्षित रखो। हर बार बीज रखने और हर अगली फसल बोने के साथ पीढ़ियों से लोगों ने बीज बचाकर रखे हैं।इसी प्रकार, पशुपालन से गोबर खाद होता था, जिससे खेतों की उर्वरता बढ़ती थी। और इससे पोषण की जरूरतें भी पूरी हो जाती थीं। बैलों से खेतों की जुताई होती थी। पशुपालन और खेती दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। इसके साथ, किसान खुद ही मेहनत करते थे। देसी बीज, गोबर खाद व हाथ से मेहनत से खेती होती थी। इससे खेती में लागत कम होती थी, और विविधता भी होती थी।पहले एकल फसलों की जगह मिश्रित फसलों का चलन था। छत्तीसगढ़ में मेड़ों पर अरहर, तिली, अमाड़ी, भिंडी, बरबटी, झुरगा (बरबटी की तरह बीज) चुटचुटिया (ग्वारफली) आदि लगाते थे। यानी एक ही खेत में चावस दलहन, तिलहन सब कुछ हो जाता था। यही छत्तीसगढ़ की खान-पान की संस्कृति व तीज-त्यौहार से जुड़ा है। यह बीज बचाना ही नहीं, बल्कि जैव विविधता, खेती और पशुपालन आधारित जीवन पद्धति और संस्कृति बचाना है।

लेकिन अब हमें खेतों में कंबाइन-हार्वेस्टर का चलन दिखाई दे रहा है, इसे समृद्धि और विकास का प्रतीक मानते हैं। जबकि हकीकत में इसके कई नुकसान सामने आ रहे हैं। इसके आने से जो रोजगार कटाई और थ्रेसिंग के रूप में मजदूरों को मिलता था उससे वे वंचित हो रहे हैं। कंबाईन -हार्वेस्टर से कटाई के बाद जो ठंडल छूट जाते हैं, उनमें आग लगाने से हरे-भरे पेड़ जल रहे हैं, भूमि की उर्वर को बनाने वाले सूक्ष्म जीवाणु नष्ट हो रहे हैं। जैव-विविधता खत्म हो रही है। एक बड़ा असर धरती के गरम होने का भी हैं। कार्बन गैसों के उत्सर्जन से यह खतरा जुड़ा है। इस समय देश-दुनिया में जलवायु परिवर्तन सबसे बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है, इसके बावजूद ऐसी मशीनों के उपयोग पर सावधानी नहीं बरती जा रही है। हम देखते हैं कि खेतों में गेहूं की कटाई हुई है। मजदूरों की जगह अब कंबाईन हार्वेस्टर से कटाई की जाने लगी है। कटाई के बाद बचे गेहूं की नरवाई (गेहूं के ठंडलों में) आग लगाई जा रही है। इससे एक तो खड़ी फसलें जल रही हैं, खेतों और सड़क के किनारे लगे हरे-भरे पेड़ जल रहे हैं। इनमें से कई तो बरसों पुराने पेड़ हैं। इससे खेतों की हरियाली खत्म हो रही है। वायु प्रदूषण बढ़ता है। जबकि पूर्व में खेतों का सौंदर्य देखते ही बनता था। हरे-भरे पेड़-पौधे मन को मोह लेते थे।कुछ किसान शिकायत करते हैं कि कटाई के समय मजदूर नहीं मिलते, इसलिए हार्वेस्टर से कटाई करवाना जरूरी है। लेकिन मजदूरों का कहना है कि अगर उन्हें उचित मजदूरी दी जाए तो मजदूरों की कमी नहीं है। गांव से शहरों की ओर लगातार पलायन हो रहा है दूसरी तरफ गांव में मजदूर नहीं मिलने की बात समझ से परे है। अब हमारी खेती स्वावलंबी की जगह परावलंबी हो गई है। जिसमें हर चीज के लिए उसकी निर्भरता बढ़ती चली जा रही है। ट्रैक्टर के लिए ईंधन और ट्रैक्टर मरम्मत के लिए वह शहरों पर निर्भर हो गया। अगर कभी बिगड़ जाता है तब भी मरम्मत के लिए शहर आना पड़ता है। खर्च भी होता है। इससे हो यह रहा है कि छोटे किसानों के लिए खेती करना मुश्किल होता जा रहा है।गांधीवादी अर्थशास्त्री ने के.सी.कुमारप्पा ने उनकी प्रसिद्ध किताब स्थायी समाज व्यवस्था में इसे अच्छी तरह समझाया है। एक रूपक देते हुए उन्होंने बताया कि हमें बाल्टी अर्थव्यवस्था की नदी अर्थव्यवस्था की जरूरत है। बाल्टी अर्थव्यवस्था यानी धरती के संसाधनों का दोहन करने की बजाय उनका उचित इस्तेमाल करना। वे कहते हैं बाल्टी कितनी ही बड़ी हो, एक न दिन उसका पानी खाली होना है। उनका कहना है कि हमें नदी अर्थ व्यवस्था की आवश्यकता है। जहां पानी लगातार पुनरोत्पादित होता रहता है और खत्म नहीं होता है। यानी हमें स्थायी अर्थव्यस्था चाहिए, जिसमें मिट्टी पानी का संरक्षण होता रहे। इस सबके मद्देनजर हमें टिकाऊ खेती की ओर बढ़ना जरूरी हो गया है। खेती-किसानी को ज्यादा से ज्यादा पैसा कमाने का साधन बनाने की बजाय भोजन की जरूरत पूरा करने की दृष्टि से करने की जरूरत है। पर्यावरण और मिट्टी को बचाने की जरूरत है। खेतों के आसपास हरे-भरे वृक्षों को बचाने की जरूरत है।इसके साथ ही मेड़बंदी और भू तथा जल संरक्षण के साथ ही भूमि का उपजाऊपन बढ़ाने की कोशिश करना चाहिए। जैविक खेती को अपनाना चाहिए। गोबर-खाद और हल-बक्खर की खेती को अपनाना चाहिए। इसमें टिकाऊपन और पारिस्थिकीय संतुलन की क्षमता मौजूद है। इससे हमारी जैव-विविधता नष्ट नहीं होती। हमारे यहां मिश्रित फसलों बोने का चलन है। एक साथ कई फसलें बोने से मिट्टी में पोषक तत्व बने रहते हैं। इस संदर्भ में किसान मजदूरों का भाईचारा भी समाज के लिए सराहनीय है। क्योंकि खेती में सभी का पेट भरने व जीव-जगत के पालन का विचार निहित है।

बाल कुपोषण से मुक्त करने की दिशा में मध्य प्रदेश में हुआ बड़ा काम

-डॉ. निवेदिता शर्मा

भारत एक ओर डिजिटल क्रांति, बुलेट ट्रेन और अंतरिक्ष अभियानों को लेकर उत्साहित है, वहीं दूसरी ओर कुपोषण जैसी बुनियादी सामाजिक समस्या अभी भी उसे चिंता में डाले हुए है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा संसद में प्रस्तुत किए गए पोषण ट्रैकर के ताज़ा आंकड़े यही दिखाते हैं कि आज भी देश का एक बड़ा हिस्सा पर्याप्त पोषण से वंचित है। सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि देश के 63 जिलों में 50 प्रतिशत से अधिक बच्चे कुपोषित पाए गए हैं।

यह एक सच्चाई है कि वर्तमान में देश के 199 जिलों में कुपोषण का स्तर 30 से 40 प्रतिशत के बीच है। कुछ जिलों में यह आंकड़ा कहीं अधिक है। महाराष्ट्र का नंदुरबार (68.12त्न), झारखंड का पश्चिम सिंहभूम (66.27त्न), उत्तर प्रदेश का चित्रकूट (59.48त्न), और मध्य प्रदेश का शिवपुरी (58.20त्न) इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में कुपोषण की दर 37.07 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जबकि 0 से 6 वर्ष के 8.19 करोड़ बच्चों में से 35.91 प्रतिशत कुपोषित हैं।

यह आंकड़े केवल रिपोर्ट नहीं हैं, बल्कि उस सामाजिक संकट की सच्ची तस्वीर हैं, जो भविष्य की पीढ़ी को प्रभावित कर रहा है। फिर भी बात यदि समग्रता से देश के सभी राज्यों के बीच मध्य प्रदेश में बाल कुपोषण को दूर करने की होगी तो राज्य सरकार के प्रयासों की सराहना करनी ही होगी। मध्य प्रदेश में बच्चों में कुपोषण की स्थिति बीते दो दशकों में सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ती हुई दिखी है। वर्ष 2005-06 में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-3) के अनुसार राज्य में कुपोषण की स्थिति बेहद चिंताजनक थी। उस समय प्रदेश में 60 प्रतिशत बच्चे कम वजन, 50 प्रतिशत लंबाई के हिसाब से कमजोर, और लगभग 35.4 प्रतिशत बच्चे उम्र के हिसाब से कम वजन वाले थे। इन आंकड़ों ने भारत सरकार और मध्य प्रदेश शासन दोनों के सामने एक गंभीर चुनौती खड़ी की थी।

वर्ष 2015-16 में जब एनएफएचएस-4 आया, तब निश्चित ही इसमें बड़ा सुधार दिखा। कम वजन वाले बच्चों की दर घटकर लगभग 42.5 प्रतिशत रह गई, स्टंटेड 42 प्रतिशत के करीब आ गया और उम्र के हिसाब से कम वजन वाले बच्चे लगभग 25.8 प्रतिशत पर आ पहुंचे थे। इसके बाद वर्ष 2019-21 में एनएफएचएस-5 के आंकड़े आए, जिसमें पाया गया कि कम वजनी बच्चों की दर घटकर 33 प्रतिशत पर आ गई है। उम्र के हिसाब से लम्बाई में कम 35.7 प्रतिशत पर बच्चों का आंकड़ा पहुंचा और आयु अनुसार कम वजनी बच्चे मात्र 19 प्रतिशत ही रहे। इसका सीधा मतलब है कि बीते 16 वर्षों (2005 से 2021) में कम वजनी बच्चों की दर में लगभग 45 प्रतिशत, लम्बाई में 46 पतिशत और आयु के हिसाब से तय वजन में 29 प्रतिशत की गिरावट देखी गई।

इस बीच हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि लगातार प्रदेश की जनसंख्या में वृद्धि हो रही है। जहां वर्ष 2005 में छह वर्ष तक के बच्चों की संख्या 10.78 लाख के लगभग संभावित है। वर्ष 2021 में यह संख्या 12.6 लाख के करीब रही और अभी 2025 की स्थिति में यह जनसंख्या 0-6 वर्ष तक की 13.25 लाख बच्चों की है। कहने का अर्थ है कि हर वर्ष बच्चों की संख्या प्रदेश में बढ़ रही है और इसके साथ ही कुपोषण भी समय के साथ कम होता हुआ दिखता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सरकार की 'सुपोषित मध्य प्रदेश 2030' नीति के अंतर्गत अब कुपोषण को केवल स्वास्थ्य या महिला-बाल विकास विभाग का विषय न मानते हुए इसे बहुविभागीय जिम्मेदारी के रूप में देखा जा रहा है। इस नीति के अंतर्गत पंचायती राज, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, पेयजल, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा जैसे विभागों को मिलाकर एकीकृत कार्य योजना पर ज़ोर दिया गया है।

राज्य में तीव्र कुपोषण का एकीकृत प्रबंधन (आईएमएएम) और तीव्र कुपोषण का समुदाय-आधारित प्रबंधन (सीएमएएम) योजनाओं के माध्यम से गंभीर रूप से कुपोषित (एसएएम) बच्चों की पहचान और पुनर्वास का कार्य समुदाय स्तर पर किया जा रहा है। यह मॉडल विशेष रूप से कोविड-19 के दौरान प्रभावी सिद्ध हुआ, जब स्वास्थ्य ढांचा दबाव में था। अब यह पहल संस्थागत स्वरूप ले चुकी है और आंगनवाड़ी कार्यकर्ता से लेकर स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों को इसमें सक्रिय भूमिका दी जा रही है। वर्ष 2025 में आयोजित सातवें पोषण पखवाड़े (8-22 अप्रैल) के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादवजी की अध्यक्षता में पहले 1000 दिन, स्वच्छ आहार-स्वस्थ बाल, और सीएमएएम-टीएचआर की दक्षता जैसे विषयों पर प्रदेशव्यापी अभियान चलाए गए।

हरित ऊर्जा की ओर अग्रसर भारतीय रेलवे, हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन के सफल परीक्षण से एक नया कीर्तिमान और जुड़ा

हरित ऊर्जा की दिशा में यह कदम तब और महत्वपूर्ण हो जाता है जब इसे भारतीय रेलवे की अन्य उपलब्धियों से जोड़ा जाए। जम्मू-कश्मीर के चिनाब नदी पर बना चिनाब रेल पुल जो 359 मीटर की ऊंचाई के साथ एफिल टॉवर से भी ऊँचा है। आज यह पुल भारत की इंजीनियरिंग शक्ति और ऊंचाइयों को छूने की महत्वाकांक्षा का प्रतीक बन चुका है। यह पुल भीषण भूकंप और 260 किमी/घंटा की हवाओं को झेलने में सक्षम है और कश्मीर को रेल मार्ग से देश के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। इसी तरह से आज वंदे भारत एक्सप्रेस, जिसे भारत की तेज़ रफ्तार पहचान के रूप में देखा जा रहा है, पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से निर्मित है। यह 160 किमी/घंटा की गति से चलने में सक्षम है और इसमें जीपीएस-आधारित सूचना प्रणाली, स्वचालित दरवाजे, और बायो-वैक्यूम शौचालय जैसी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं।

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

जब दुनिया जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और ऊर्जा संकट जैसे अस्तित्व के सवालों से दो-चार है, भारत की जीवनरेखा कही जाने वाली भारतीय रेलवे हरित ऊर्जा के क्षेत्र में न सिर्फ साहसिक कदम उठा रही है, बल्कि तकनीकी नवाचारों और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों के सामंजस्य का एक अनुकरणीय मॉडल भी प्रस्तुत कर रही है। हाल ही में चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्टरी (आईसीएफ) में भारत की पहली हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन के सफल परीक्षण ने यह सिद्ध कर दिया है कि भारत अब सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि नवाचार और नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा साझा की गई जानकारी बता रही है कि चेन्नई में विकसित इस 'ड्राइविंग पावर कार' ने हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक के सफल प्रयोग के साथ एक नया कीर्तिमान रचा है। यह तकनीक हाइड्रोजन और ऑक्सीजन की रासायनिक प्रतिक्रिया से बिजली उत्पन्न करती है, जिससे उत्सर्जन के रूप में सिर्फ जलवाष्प निकलता है — कोई कार्बन, कोई धुआं नहीं। यह न केवल प्रदूषण रहित है, बल्कि शहरी और औद्योगिक क्षेत्रों में स्वच्छ परिवहन का श्रेष्ठ समाधान भी बनकर उभरा है।

वस्तुत: भारत सरकार की 'विरासत के लिए हाइड्रोजन' योजना के तहत भारतीय रेलवे ने 35 हाइड्रोजन-संचालित ट्रेनों का लक्ष्य तय किया है। उत्तर रेलवे के जींद-सोनीपत खंड पर एक डीज़ल इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट को हाइड्रोजन ईंधन से पुनर्निर्मित करने का कार्य प्रगति पर है। 111.83 करोड़ की लागत से प्रारंभ इस पायलट परियोजना के तहत हर ट्रेन की अनुमानित लागत 80 करोड़ होगी। भले ही प्रारंभिक लागत अधिक हो, लेकिन दीर्घकालिक दृष्टि से यह किफायती, आत्मनिर्भर और पर्यावरण-मित्र ऊर्जा समाधान बन सकती है।

हरित ऊर्जा की दिशा में यह कदम तब और महत्वपूर्ण हो जाता है जब इसे भारतीय रेलवे की अन्य उपलब्धियों से जोड़ा जाए। जम्मू-कश्मीर के चिनाब नदी पर बना चिनाब रेल पुल जो 359 मीटर की ऊंचाई के साथ एफिल टॉवर से भी ऊँचा है। आज यह पुल भारत की इंजीनियरिंग शक्ति और ऊंचाइयों को छूने की महत्वाकांक्षा का प्रतीक बन चुका है। यह पुल भीषण भूकंप और 260 किमी/घंटा की हवाओं को झेलने में सक्षम है और कश्मीर को रेल मार्ग से देश के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। इसी तरह से आज वंदे भारत एक्सप्रेस, जिसे भारत की तेज़ रफ्तार पहचान के रूप में देखा जा रहा है, पूरी तरह से स्वदेशी तकनीक से निर्मित है। यह 160 किमी/घंटा की गति से चलने में सक्षम है और इसमें जीपीएस-आधारित सूचना प्रणाली, स्वचालित दरवाजे, और बायो-वैक्यूम शौचालय जैसी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। आत्मनिर्भर भारत अभियान का यह उत्कृष्ट उदाहरण है।भारतीय रेलवे ने सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी प्रयोग शुरू कर दिए हैं। कई कोचों में सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं, जिससे डीज़ल की खपत में भारी कमी आई है। भारत में गुजरात का गांधीधाम स्टेशन, इंदौर, गुवाहाटी, और मुंबई के छत्रपति शिवाजी टर्मिनस जैसे कई प्रमुख स्टेशन पूरी तरह या आंशिक रूप से सौर ऊर्जा से संचालित हो रहे हैं। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन भारत का पहला ऐसा स्टेशन बना, जो शत प्रतिशत सौर ऊर्जा से चलता है। रेलवे की भूमि पर 1 जीडब्ल्यू से अधिक सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित की जा चुकी है और आगे यह क्षमता कई गुना बढ़ाई जा रही है। वहीं, रेलवे ने 2030 तक पूरे नेटवर्क के सौ प्रतिशत विद्युतीकरण का लक्ष्य रखा है। इसके पूर्ण होते ही भारत दुनिया का सबसे बड़ा ग्रीन रेलवे नेटवर्क बन जाएगा।

हरित ऊर्जा के साथ-साथ रेलवे का डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन भी ज़ोर पकड़ रहा है। रेलवे ने देश के कई स्टेशनों को ग्रीन स्टेशन का दर्जा दिलाया है। उदाहरण के लिए, हैदराबाद का काचीगुड़ा स्टेशन देश का पहला रेलवे स्टेशन बना, जिसे आईजीबीसी से ग्रीन बिल्डिंग प्रमाणन प्राप्त हुआ। यह स्टेशन ऊर्जा की खपत कम करने, वर्षा जल संचयन, अपशिष्ट प्रबंधन और सौर ऊर्जा उपयोग जैसे मापदंडों पर खरा उतरा। रेलवे ने पिछले वर्षों में सभी यात्री कोचों में बायो-वैक्यूम टॉयलेट्स लगाने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। वर्ष 2021 तक लगभग सभी कोचों में बायो-टॉयलेट्स लगाए जा चुके थे, जिससे रेलवे ट्रैकों पर गंदगी गिरने की समस्या लगभग खत्म हो गई है। यह न केवल स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत एक बड़ी उपलब्धि है, बल्कि पर्यावरणीय प्रदूषण को कम करने में भी सहायक है।

इतना ही नहीं भारत की हरित रेलवे पहल को संयुक्त राष्ट्र, इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी (आईईए) और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं से प्रशंसा मिली है। इसके साथ ही भारत हाईड्रोजन वेली इनोवेशन प्लेटफॉर्म का भी हिस्सा बना है, जिससे वैश्विक स्तर पर हाइड्रोजन आधारित ऊर्जा समाधानों में सहयोग को बढ़ावा मिल रहा है। रेलवे ने कई स्टेशनों को 'स्मार्ट स्टेशन' में बदलना शुरू किया है। इनमें वाई-फाई कनेक्टिविटी, स्मार्ट एस्केलेटर, इलेक्ट्रॉनिक सूचना डिस्प्ले, मोबाइल चार्जिंग पॉइंट्स, और ऊर्जा दक्ष एलईडी लाइटिंग, स्मार्ट टिकिटिंग सिस्टम, रेल मदद ऐप, फेस रिकग्निशन कैमरे, एआई आधारित निगरानी, और नेशनल ट्रेन इंक्वायरी सिस्टम (एनटीईएस) जैसे नवाचार शामिल हैं। भारतीय रेलवे का उद्देश्य यात्रियों को मॉडर्न, सुरक्षित और सुगम यात्रा अनुभव देना है।

कहना होगा कि भारतीय रेलवे में हो रहे ये परिवर्तन केवल तकनीकी बदलाव नहीं हैं, बल्कि भारत की उस दूरदृष्टि और प्रतिबद्धता के प्रमाण हैं, जो एक स्वच्छ, तेज़, सुरक्षित और आत्मनिर्भर भविष्य की ओर बढ़ने का सपना देखती है। हाइड्रोजन ट्रेन इसका प्रतीक बन चुकी है — एक ऐसी रेल सेवा जो न केवल आगे बढ़ती है, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए शुद्ध वायु और स्वच्छ ऊर्जा का रास्ता भी बनाती है। वहीं, भारतीय रेलवे अब केवल गंतव्य तक पहुंचने का माध्यम नहीं, बल्कि भारत के सतत और समावेशी विकास की पटरी पर दौड़ती हुई एक प्रेरक गाथा बन चुकी है।

वस्तुत: इन सभी प्रयासों से स्पष्ट होता है कि भारतीय रेलवे आज एक परिवहन साधन के साथ ही पर्यावरणीय नेतृत्व, तकनीकी नवाचार और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन चुका है। हरित ऊर्जा की ओर इसकी तीव्र गति, स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों की स्वीकार्यता और टिकाऊ परिवहन की परिकल्पना भारत को विश्व मंच पर एक अग्रणी भूमिका में स्थापित कर रही है।

हॉकी इंडिया ने राष्ट्रीय और जमीनी स्तर के आयोजनों के लिए वित्तीय अनुदान बढ़ाया

एजेंसी

महाबलीपुरम। हॉकी इंडिया ने रविवार को तमिलनाडु के महाबलीपुरम में अपनी 15वीं हॉकी इंडिया कांग्रेस का सफलतापूर्वक आयोजन किया। भारतीय हॉकी की गौरवशाली यात्रा के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में कई ऐतिहासिक घोषणाएं हुईं, जिनमें 7 नवंबर को राष्ट्रव्यापी हॉकी महोत्सव का आयोजन करना शामिल है। इस मौके पर भारतीय हॉकी ने राष्ट्रीय और जमीनी स्तर के आयोजनों के समर्थन के लिए वित्तीय अनुदान में पर्याप्त वृद्धि की घोषणा की है। हॉकी इंडिया ने बताया कि भारतीय हॉकी की विरासत 1925 में अपनी पहली राष्ट्रीय शासी संस्था के गठन के साथ शुरू हुई थी। इस साल 7 नवंबर को 100 साल पूरे हो जाएंगे। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के उपलक्ष्य में हॉकी इंडिया 7 नवंबर को एक अभूतपूर्व राष्ट्रव्यापी उत्सव का आयोजन करेगा। इस आयोजन में एक साथ 1,000 मैच खेले जाएंगे। देश के प्रत्येक जिले में एक पुरुष और एक महिला मैच में 36 हजार से ज्यादा खिलाड़ी (18 हजार पुरुष और 18 हजार महिलाएं) हिस्सा लेंगे। यह विशाल पहल देश के हर कोने से खिलाड़ियों को एक साथ लाएगी, जो न केवल भारत की एकता और विविधता को दर्शाएगी, बल्कि हॉकी के प्रति निरंतर प्रेरित करने वाले जुनून को भी दर्शाएगी।

डॉ. मांडविया ने कारगिल नायकों के सम्मान में 'संडे ऑन साइकिल' का नेतृत्व किया

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने गुजरात के अहमदाबाद में कारगिल विजय दिवस के उपलक्ष्य में फिटनेस और देशभक्ति की भावना का जश्न मनाते हुएअभियान का नेतृत्व किया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ), राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस), गुजरात विद्यापीठ के कर्मियों, स्थानीय साइकिलिंग समूहों और फिटनेस प्रेमियों सहित 800 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। पहल एक साथ 6,000 से अधिक स्थानों पर आयोजित करके लोगों को कारगिल युद्ध के नायकों को सलाम करने तथा एक स्वस्थ, फिट भारत को बढ़ावा देने के दोहरे मिशन में एकजुट किया गया। खेल मंत्री डॉ. मांडविया ने कहा कि हर साल 26 जुलाई को हम कारगिल विजय दिवस पर अपने सैनिकों की बहादुरी का सम्मान करते हैं। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए आज हमने गर्व के साथ अपने सशस्त्र बलों के साथ अभियान में हाथ मिलाया है। मुझे अपने वीर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए हमारे सशस्त्र बलों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों के साथ साइकिल चलाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ।

मन की बात : प्रधानमंत्री बोले- खेलो भारत नीति का लक्ष्य भारत को खेल महाशक्ति बनाना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम के 124वें संस्करण में 'खेलो भारत नीति 2025' के लक्ष्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इसका लक्ष्य भारत को खेल महाशक्ति बनाना है। उन्होंने कहा कि गांव, गरीब और बेटियां इस नीति की प्राथमिकता हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में कहा कि बीते दिनों मुझे कई युवा एथलीट और उनके अभिभावकों के संदेश मिले हैं। इनमें 'खेलो भारत नीति 2025' की खूब सराहना की गई है। इस नीति का लक्ष्य साफ है, भारत को खेल महाशक्ति बनाना। गांव, गरीब और बेटियां इस नीति की प्राथमिकता है। स्कूल और कॉलेज, अब खेल को रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बनाएंगे। खेलों से जुड़े स्टार्टअप्स, चाहे वो स्पोर्ट्स प्रबंधन हों या उत्पादन से जुड़े हों- उनकी हर तरह से मदद की जाएगी। सोचिए, जब देश का युवा खुद के बनाए रैकेट, बैट और बॉल के साथ खेलेगा, तो आत्मनिर्भरता के मिशन को कितनी बड़ी ताकत मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि खेल, टीम स्पिरिट पैदा करते हैं। ये फिटनेस, आत्मविश्वास और एक मजबूत भारत के निर्माण का रास्ता है इसलिए खूब खेलिए, खूब खिलिए। विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल की चर्चा कीप्रधानमंत्री मोदी ने विश्व पुलिस और अग्निशमन खेल में भारत के एतिहासिक प्रदर्शन की चर्चा की।

उन्हें बाकी टीम के लिए लड़ते देखना बहुत अच्छा लगा : दिनेश कार्तिक

मैनचेस्टर। पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा कि ओल्ड ट्रैफर्ड में इंग्लैंड के खिलाफ चल रहे चौथे टेस्ट मैच में शुभमन गिल और केएल राहुल को बाकी भारतीय टीम के लिए संघर्ष करते देखना शानदार रहा। पांचवें दिन कप्तान गिल ने अपना सीरीज का चौथा शतक लगाया जबकि राहुल 90 रन पर आउट होने के कारण शतक से चूक गए। कार्तिक ने कहा, कई टीमें यहां आकर 0-2 से पिछड़ गईं और हार मान लीं। इन दोनों खिलाड़ियों (गिल और राहुल) ने जो किया, वह सिर्फ इस मैच के लिए नहीं, बल्कि भविष्य के लिए भी है। उन्होंने जो दृढ़ संकल्प, साहस दिखाया और जिस तरह से उन्होंने अपनी साझेदारी के जरिए खुद को समर्पित किया, वह भारतीय क्रिकेट के लिए एक बहुत ही उत्साहजनक संकेत था। उन्हें बाकी टीम के लिए लड़ते देखना बहुत अच्छा लगा। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज़ स्टुअर्ट ब्रॉड ने कहा कि मैनचेस्टर में गिल की पारी अब तक की सीरीज में उनकी सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक है। उन्होंने कहा, गिल का प्रदर्शन अविश्वसनीय है, खासकर उस सीरीज में जब यह भारतीय कप्तान के रूप में उनकी पहली है, जो विश्व क्रिकेट में सबसे दबाव वाले पदों में से एक है। इस तरह खेलना बिल्कुल शानदार रहा है। कल शायद उनकी सबसे प्रभावशाली पारी थी, जब वे 0-2 से पिछड़ रहे थे।

एफ1 बेल्जियम ग्रां प्री 2025:बारिश के कारण देर से शुरू हुई रेस में पियास्त्री ने दर्ज की शानदार जीत

एजेंसी

स्पा-फ्रैंकोरशॉ/बेल्जियम। ऑस्ट्रेलिया के ऑस्कर पियास्त्री ने बारिश के कारण देर से शुरू हुई एफ1 बेल्जियम ग्रां प्री में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने मैकलारेन टीममेट और खिताबी प्रतिद्वंदी लैंडो नॉरिस को शुरुआती दौर में ही ओवरटेक कर जीत दर्ज की। इस जीत के साथ पियास्त्री ने चैंपियनशिप में अपनी बढ़त को 16 अंकों तक पहुंचा दिया है। फेरारी के चार्ल्स लेक्लर तीसरे स्थान पर रहे, जबकि मौजूदा चैंपियन मैकलारेन टीम ने 13 में से छठी बार एक-दो की समाप्ति हासिल की - यह लगातार तीसरी बार है जब टीम को डबल पॉडियम मिला है।बारिश के कारण स्पा-फ्रैंकोरशॉ सर्किट पर रेस की शुरुआत में ही रेड फ्लैग दिखाई गई और एक घंटे 20 मिनट की देरी के बाद रेस को शुरू किया गया। भारी बारिश और ट्रैक पर खड़े पानी के कारण विजिबिलिटी बेहद खराब थी।

रेस की शुरुआत से पहले चार लैप्स तक सेफ्टी कार के पीछे चलने के बाद रेस को रोलिंग स्टार्ट के जरिए शुरू किया गया। पियास्त्री ने पहले ही लैप में तेज़ी दिखाते हुए यू रूज सेक्शन में नॉरिस को ओवरटेक कर बढ़त ले ली। पियास्त्री ने कहा, मुझे पता था कि जीतने का सबसे अच्छा मौका पहले ही लैप में मिलेगा। टर्न वन से अच्छा एक्ज़िट मिला और Eau Rouge में जितना कम संभव हो सका, उतना ही लिफ्ट किया। बाकी रेस हमने अच्छे से कंट्रोल की, हालांकि अंत में थोड़ा संघर्ष किया। शायद मीडियम टायर्स आखिरी 5-6 लैप्स के लिए सही विकल्प नहीं थे, लेकिन हम स्थिति को संभालने में सफल रहे। नॉरिस को रेस के दौरान बैटरी की समस्या का सामना करना पड़ा था और उन्होंने रेडियो पर पूछा कि ÷पावर क्यों नहीं आ रही÷, लेकिन बाद में उनकी कार में पावर वापस आ गई। नॉरिस ने हार स्वीकारते हुए कहा, ऑस्कर ने बेहतर काम किया। Eau Rouge में उसने ज़्यादा कमिट किया, स्लिपस्ट्रीम मिली और बढ़त ले ली। उसके बाद मेरे पास ज़्यादा विकल्प नहीं थे। पियास्त्री ने 12वें लैप में इंटरमीडिएट टायर्स से मीडियम टायर्स में बदलाव किया जबकि नॉरिस ने एक लैप बाद हार्ड टायर्स का चुनाव किया। दोनों ने फिर एक ही स्टॉप पर पूरी रेस पूरी की। पियास्त्री ने 3.415 सेकंड के अंतर से रेस जीती, जबकि नॉरिस तीसरी जीत की तलाश में थे लेकिन अंत में दूसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा।

डूरंड कप: डेब्यू मुकाबले में आईटीबीपी ने दस खिलाड़ियों वाली कार्बी आंगलोंग मॉर्निंग स्टार को 2-1 से हराया

एजेंसी

कोकराझार। 134वें इंडियन ऑयल डूरंड कप के ग्रुप डी के उद्घाटन मुकाबले में इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस (आईटीबीपी) एफटी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कार्बी आंगलोंग मॉर्निंग स्टार एफसी (केएएमएफसी) को 2-1 से पराजित कर तीन कीमती अंक अर्जित किए। दोनों ही टीमें डूरंड कप में पहली बार हिस्सा ले रही थीं।

कार्बी आंगलोंग की ओर से लुनमिनलेन हाओकिप ने 30वें मिनट में टीम को बढ़त दिलाई, लेकिन आईटीबीपी ने वापसी करते हुए पुलुंग डियामरी (45फीसदी) और हेमराज भुजेल (60फीसदी) के गोलों की मदद से मुकाबला अपने नाम किया।

रेड कार्ड बना टर्निंग पॉइंट

मैच की शुरुआत से ही दोनों टीमें मिडफ़ील्ड पर नियंत्रण के लिए संघर्ष करती रहीं। लेकिन 23वें मिनट में केएएमएफसी के घाना मूल के डिफेंडर बेन नैश क्वान्श को खतरनाक टैकल के लिए सीधा रेड कार्ड दिखाया गया, जिससे टीम को शेष मैच दस खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा।

रेड कार्ड के बावजूद केएएमएफसी ने साहसिक खेल दिखाया और 30वें मिनट में लुनमिनलेन ने तेज़ काउंटर अटैक से बेहतरीन गोल दागा। हालांकि, पहले हाफ के अंत में पुलुंग डियामरी का साइड फुटेड शॉट डिफेंडर से डिफलेक्ट होकर गोल में चला गया और स्कोर 1-1 हो गया। दूसरे हाफ में आईटीबीपी ने अपने अनुभव और संख्या की ताकत का उपयोग करते हुए 60वें मिनट में निर्णायक गोल किया। श्रीकुमार करजी के लो क्रॉस को हेमराज भुजेल ने शानदार डाइविंग फिनिश में तब्दील कर टीम को 2-1 की बढ़त दिला दी।

तेजस्विन शंकर ने डेकाथलन में फिर तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड, पोलैंड में रचा इतिहास

एजेंस

नई दिल्ली। पोलैंड के वील्स्लाव चापिएव्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता में भारत के तेजस्विन शंकर ने डेकाथलन में शानदार प्रदर्शन करते हुए नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया। तेजस्विन ने 7826 अंकों के साथ प्रतियोगिता में चौथा स्थान हासिल किया और अपने ही पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

इससे पहले उन्होंने 2023 एशियाई खेलों में 7666 अंकों के साथ रजत पदक जीता था, जो कि भारत का राष्ट्रीय रिकॉर्ड था। दो दिवसीय विश्व एथलेटिक्स कंबाइंड इवेंट्स टूर गोल्ड मीट के पहले दिन तेजस्विन ने शानदार शुरुआत की और 4292 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर रहे। उन्होंने 100 मीटर दौड़ में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 11.02 सेकंड का समय निकालादूसरे दिन भी उन्होंने 110 मीटर हर्डल्स में 14.63 सेकंड के समय के साथ बढ़त बनाए रखी। हालांकि, डिस्कस थ्रो में 38.28 मीटर के सीजन बेस्ट थ्रो के बावजूद वह तीसरे स्थान पर

खिसक गए। पोल वॉल्ट में 4.10 मीटर की छलांग के बाद वह छठे स्थान पर पहुंच गए, जो कि इस स्पर्धा में उनका पर्सनल बेस्ट भी है। लेकिन उन्होंने जेवलिन थ्रो (52.89 मीटर) और अंतिम स्पर्धा 1500 मीटर दौड़ में 4:31.80 मिनट का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालते हुए जोरदार वापसी की और चौथे स्थान पर फिनिश किया।इस स्पर्धा में चेक गणराज्य के ओनद्रेज कोपेक्की (8254 अंक), विले स्ट्रास्की (8136 अंक) और एस्टोनिया के रिस्टो लिल्लेमेट्स (8107 अंक) क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। हालांकि 26 वर्षीय तेजस्विन ने फिर से राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा, लेकिन उनका स्कोर अब भी विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप (टोक्यो) की योग्यता सीमा 8550 अंकों से पीछे है।

फुटबॉल क्लब आर्सेनल ने स्ट्राइकर विक्टर ग्योकरेस के साथ करार किया

एजेंस

नई दिल्ली। फुटबॉल क्लब आर्सेनल ने स्वीडन के 27 वर्षीय खिलाड़ी विक्टर ग्योकेरेस के साथ दीर्घकालिक करार किया है। स्पोर्टिंग के साथ अपने दो सीजन के दौरान विक्टर ने टीम को लगातार प्राइमेरा लीगा खिताब और एक राष्ट्रीय कप जीतने में मदद की। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी शानदार प्रदर्शन किया है। स्वीडन के लिए अपने पिछले 17 मैचों में 12 गोल दागे हैं।क्लब के खेल निदेशक एंड्रिया बर्टा ने कहा कि विक्टर ग्योकेरेस को क्लब में लाने के लिए हमने जो शानदार डील पूरी की है। विक्टर एक असाधारण प्रतिभा हैं और उन्होंने लगातार यह साबित किया है कि उनमें एक शीर्ष-स्तरीय सेंटर-फॉरवर्ड के लिए आवश्यक गुण और जीतने की मानसिकता है। उनकी फिटनेस, बुद्धिमत्ता और कार्यशैली उन्हें हमारे दृष्टिकोण के लिए एकदम उपयुक्त बनाती है। हमें पूरा विश्वास है कि विक्टर

मैदान पर गहरा प्रभाव डालेंगे और हमारे ड्रेसिंग रूम में एक अहम किरदार बनेंगे। विक्टर, आपका स्वागत है। क्लब के मैनेजर मिकेल आर्टेटा ने विक्टर ग्योकेरेस का क्लब में स्वागत करते हुए कहा कि उन्होंने अपने प्रदर्शन और उपलब्धता में जो निरंतरता दिखाई है, वह लाजवाब है और उनके गोल खुद ही सब कुछ बयां करते हैं। हम विक्टर के हमारे दल में आने से उत्साहित हैं और उनके साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। हम विक्टर और उनके परिवार का आर्सेनल में स्वागत करते हैं।

यूएफा विमेंस यूरो 2025 : इंग्लैंड ने पेनल्टी शूटआउट में स्पेन को हराकर खिताब जीता

एजेंसी

बासेल। इंग्लैंड की महिला फुटबॉल टीम ने यूएफा विमेंस यूरो 2025 के फाइनल में स्पेन को पेनल्टी शूटआउट में 3-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। यह लगातार दूसरी बार है जब इंग्लैंड ने यूरो कप जीता है। नियमित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ।मैच के 25वें मिनट में स्पेन ने ओना बाट्ले के क्रॉस पर मरियोना कालदेंते के हेडर की मदद से बढ़त बना ली। इंग्लैंड की रक्षापंक्ति इस दौरान पूरी तरह चूक गई और गोलकीपर हन्ना हैम्पटन गेंद को रोक नहीं सकीं। दूसरे हाफ में इंग्लैंड ने वापसी की और 57वें मिनट में क्लो केली के शानदार क्रॉस पर एलेसिया रूसो ने हेडर लगाकर स्कोर 1-1 कर दिया। स्पेन ने पूरे मैच में बॉल पजेशन पर नियंत्रण बनाए रखा और लगातार दबाव बनाती रही, लेकिन

इंग्लैंड की मजबूत डिफेंस के आगे वह अतिरिक्त समय तक कोई और गोल नहीं कर सकी। पेनल्टी शूटआउट में शुरुआत में इंग्लैंड को झटका लगा जब कैटा कोल ने बेथ मीड की किक रोक दी। लेकिन इसके बाद इंग्लैंड की गोलकीपर हन्ना हैम्पटन ने कमाल दिखाया और मरियोना कालदेंते व आइताना बोनमती की किक रोक दी।

लीया विलियमसन की किक को भी कोल ने रोककर स्पेन की उम्मीदें जिंदा रखीं, लेकिन सलमा परायुएलो ने निर्णायक समय पर किक चूककर गेंद गोल के बाहर मार दी।इसके बाद 2022 के फाइनल की हीरो क्लो केली ने एक बार फिर इतिहास दोहराया। अपने ट्रेडमार्क प्रॉसिंग रन-अप के साथ उन्होंने गेंद को गोलपोस्ट में ठोक दिया और जश्न में झूमते हुए साथी खिलाड़ियों के साथ इंग्लैंड फैंस की ओर दौड़ गईं। मैच के बाद क्लो केली ने कहा, मैं इस टीम पर बेहद गर्व महसूस करती हूं, इस बैज को पहनने के लिए आभारी हूं और इंग्लिश होने पर गर्व है। मुझे पूरा यकीन था कि मेरी किक नेट में जाएगी। यह पहला मौका था जब 1984 के पहले संस्करण के बाद यूएफा विमेंस यूरो का फाइनल पेनल्टी शूटआउट में तय हुआ। उस समय इंग्लैंड को स्वीडन के हाथों हार झेलनी पड़ी थी, लेकिन इस बार इंग्लिश शेरनियों ने इतिहास रच दिया।

राज्य स्तरीय महिला हैण्डबाल एवं बास्केटबाल प्रतियोगिता का शुभारम्भ

एजेंसी

प्रयागराज। 27 से 29 जुलाई तक राज्य स्तरीय महिला हैण्डबाल एवं बास्केटबाल प्रतियोगिता का उद्घाटन आज मुख्य अतिथि डॉ कविता आई.आर.एस., संयुक्त आयकर आयुक्त ने मदन मोहन मालवीय स्टेडियम में किया। उन्होंने खिलाड़ियो से परिचय प्राप्त कर आश्वासन दिया कि भविष्य में इसी तरह की प्रतियोगिताओं का आयोजन होते रहेंगें, जिससे प्रदेश की महिला खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा निखारने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ खेल का भी महत्व है। खिलाड़ियो की आर्थिक सहायता हेतु वह सदैव तत्पर रहेंगी। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि पंकज जायसवाल, पार्षद सिविल लाइन उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि का स्वागत प्रेम कुमार, क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी एवं आर.एस. बेदी, अंतरराष्ट्रीय बास्केटबाल खिलाड़ी व अरविन्द सोनकर, क्रीड़ाधिकारी, चित्रकूट द्वारा बुके देकर एवं श्रेया सिंह अंतरराष्ट्रीय ताइक्वान्डो खिलाड़ी द्वारा बैज लगाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर देवी प्रसाद, उप क्रीड़ाधिकारी, रंजीत यादव, उप क्रीड़ाधिकारी, प्रतापगढ, मनीश गुप्ता, उप क्रीड़ाधिकारी, म्योहाल, एम.एच.चौधरी, पूर्व क्रीड़ाधिकारी, कौशल दीक्षित, सचिव, जिला हैण्डबाल संघ प्रयागराज, पर्मेन्द्र सिंह संयुक्त सचिव, उप्र हैण्डबाल संघ, एस.के.श्रीवास्तव, पूर्व राष्ट्रीय टी.टी. खिलाड़ी, संजय श्रीवास्तव, सत्येन्द्र सिंह, संजय कुमार गुप्ता, आशीष कुमार यादव, मुकेश निषाद, विनय कुमार, अंकित तिवारी आदि उपस्थित रहे। इस प्रतियोगिता में प्रदेश के महिला हैण्डबाल में कुल 18 मण्डल एवं बास्केटबाल में 16 मण्डलों ने प्रतिभाग किया। हैण्डबाल-प्रथम मैच वाराणसी मण्डल व मेरठ मण्डल के मध्य खेला गया, जिसमें वाराणसी मण्डल 14-04 से विजेता रही। वाराणसी मण्डल की शेहा चौहान ने 04 गोल एवं सौम्या पाठक ने 03 तथा मेरठ मण्डल की तनु ने 01 गोल किया।

ऋषभ पंत ओवल टेस्ट से बाहर, जगदीशन को मिला मौका

एजेंसी

नई दिल्ली। जैसा कि आशंका जताई जा रही थी, विकेटकीपर-बल्लेबाज़ ऋषभ पंत इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। मैनचेस्टर टेस्ट के दौरान उन्हें दाहिने पैर में फ्रैक्चर हो गया था, जिसके चलते वह अब ओवल टेस्ट नहीं खेल पाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने रविवार देर रात आधिकारिक रूप से पंत के बाहर होने और तमिलनाडु के विकेटकीपर-बल्लेबाज़ एन जगदीशन को पंत के स्थान पर टीम में शामिल करने की घोषणा की। पंत को यह चोट मैनचेस्टर टेस्ट के दूसरे दिन उस समय लगी जब वह क्रिस वोक्स की गेंद पर स्कूप खेलने की कोशिश कर रहे थे और गेंद सीधे उनके जूते पर लगी। इसके बाद उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया और उसी शाम उनके पैर में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। जानकारी के अनुसार पंत कम से कम छह

हफ्तों के लिए क्रिकेट से दूर रहेंगे। हालांकि चोट गंभीर थी, लेकिन पंत ने सभी को चौंकाते हुए अगले दिन बल्लेबाज़ी फिर से शुरू की और अर्धशतक पूरा किया। हालांकि वह दूसरी पारी में बल्लेबाज़ी के लिए नहीं उतरे क्योंकि केएल राहुल और मध्यक्रम ने संघर्ष करते हुए भारत को ड्रॉ तक पहुंचाया।

मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैनचेस्टर टेस्ट के बाद पंत की तारीफों के पुल बांधे। उन्होंने कहा,एक बात जो मैं जरूर कहना चाहूंगा, वह यह है कि इस टीम की असली बुनियाद और उसका चरित्र ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों के बलिदान से तैयार होगा। टूटी हुई टांग के साथ बल्लेबाज़ी करना कोई आम बात नहीं है। उन्होंने देश के लिए जो किया, वो आने वाली पीढ़ियों तक याद रखा जाएगा। गंभीर ने आगे कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वह जिस फॉर्म में थे, उस दौरान चोटिल हो गए। लेकिन वह टेस्ट टीम का एक अहम हिस्सा हैं और हम उम्मीद करते हैं कि वह जल्द ही ठीक होकर वापस लौटेंगे। गौरतलब है कि चौथे टेस्ट से पहले टीम इंडिया को पहले ही कई चोटों का सामना करना पड़ा था। आकाश दीप (ग्रॉइन), अर्शदीप सिंह (उंगली) और नितीश रेड्डी (घुटने) घायल हो गए थे। जहां नितीश पूरे सीरीज़ से बाहर हो चुके हैं, वहीं आकाश दीप और अर्शदीप की वापसी ओवल टेस्ट के लिए हो चुकी है।

पांचवें टेस्ट के लिए भारत की टीम: शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कांबोज, अर्शदीप सिंह, एन जगदीशन (विकेटकीपर)।

मैनचेस्टर टेस्ट : वॉशिंगटन- जडेजा की शतकीय साझेदारी पर बोले स्टोक्स-सिर्फ रन नहीं, टीम को संकट से निकालना मायने रखता है

एजेंसी

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर टेस्ट का अंतिम दिन भारतीय टीम के लिए बेहद खास रहा। वॉशिंगटन सुंदर और रवींद्र जडेजा की जोड़ी ने पांचवें दिन लंच से पहले क्रीज पर मोर्चा संभाला और 55.2 ओवर तक डटे रहकर 203 रन की साझेदारी की। इस दमदार साझेदारी ने भारत को हार से बचा लिया और सीरीज 2-2 पर खत्म होने की उम्मीदें बरकरार रखीं। हालांकि जब मैच के अंतिम घंटे में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने ड्रॉ का प्रस्ताव दिया, उस समय जडेजा 89 और सुंदर 80 रन पर बल्लेबाज़ी कर रहे थे। टीम इंडिया ने प्रस्ताव ठुकरा दिया और आगे बल्लेबाज़ी करते हुए दोनों खिलाड़ियों ने शतक पूरे किए - जडेजा का यह पांचवां टेस्ट शतक था और वॉशिंगटन का पहला। मैच के बाद स्टोक्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा,÷जिस तरह से इन दोनों ने बल्लेबाज़ी की, वो शानदार था। उन्होंने हमारी बढ़त को खत्म किया और भारत को मुश्किल स्थिति से निकाला। शतक बने या नहीं, इसका असर नहीं पड़ता - टीम को संकट से निकालना सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जो रूट और हैरी ब्रूक को गेंदबाज़ी सौंपना एक रणनीतिक फैसला था, क्योंकि 257 ओवर फील्डिंग करने के बाद वे अपने प्रमुख गेंदबाज़ों को ओवल टेस्ट से पहले आराम देना चाहते थे। स्टोक्स ने कहा, हमें पता था कि अब केवल एक ही

नतीजा संभव है - ड्रॉ। ऐसे में मैं अपने प्रमुख गेंदबाज़ों को जोखिम में नहीं डाल सकता था।, भारत की ओर से प्रतिक्रिया और भी भावनात्मक रही। पूर्व बल्लेबाज़ गौतम गंभीर और मौजूदा कप्तान शुभमन गिल ने दोनों बल्लेबाज़ों के शतक को पूरी तरह जायज़ ठहराया। गंभीर ने कहा, अगर कोई खिलाड़ी 90 या 85 पर है और उसने इतनी मेहनत की है, तो क्या वो शतक डिज़र्व नहीं करता? अगर इंग्लैंड के बल्लेबाज़ होते तो क्या वो भी वैसे ही बाहर आते?

चौथे टेस्ट में फ्रैक्चरड पैर के साथ खेले ऋषभ पंत, कोच गंभीर ने की प्रशंसा, कहा- जितनी तारीफ करूं कम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मैनचेस्टर टेस्ट में इंग्लैंड खिलाफ शानदार बल्लेबाजी के लिए ऋषभ पंत की जमकर तारीफ की। विकेटकीपर बल्लेबाज पंत को ओल्ड ट्रैफर्ड में पहले दिन क्रिस वोक्स की गेंद पर दाहिने पैर में गहरी चोट लगी थी। इसके बाद पंत ठीक से चल भी नही पा रहे थे और उन्हें रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर आना पड़ा था। आराम लेने की सलाह दिए जाने के बावजूद पंत दूसरे दिन भारतीय टीम में शामिल हो गए और बल्लेबाजी के लिए उपलब्ध रहे जिससे कोच गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पंत की जमकर प्रशंसा की। कोच गंभीर ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ऋषभ के बारे में पहले ही घोषणा कर दी गई है कि वह सीरीज से बाहर हो गए हैं और एक बात मैं कहना चाहता हूं कि इस टीम का चरित्र और नींव ऋषभ ने टीम और देश के लिए जो किया है, उसी पर आधारित होगी। उन्होंने आगे कहा, उनकी जितनी भी तारीफ़ की जाए, कम है, खासकर टूटे पैर के साथ बल्लेबाज़ी करने के लिए। पहले ज़्यादा लोगों ने ऐसा नहीं किया है। और उन्होंने अपना हाथ उठाया था, इसलिए मैं उनकी जितनी भी तारीफ़ करूँ, कम है। मैं यहाँ बैठकर घंटों इस बारे में बात कर सकता हूँ। मुझे लगता है कि आने वाली पीढ़ियाँ इस बारे में बात करेंगी। और आने वाली पीढ़ियों को इस बारे में बात करनी चाहिए कि कोई ऐसा भी है ।

मैनचेस्टर टेस्ट ड्रॉ: गिल, जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के शतकों ने भारत को हार से बचाया

एजेंसी

मैनचेस्टर। इंग्लैंड द्वारा पहली पारी में विशाल बढ़त हासिल करने के बावजूद भारतीय टीम ने दमदार वापसी करते हुए मैनचेस्टर में खेला गया चौथा टेस्ट ड्रॉ करा लिया। कप्तान शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर के शतकों की बदौलत भारत ने दूसरी पारी में 425 रन बनाकर इंग्लैंड की 311 रनों की बढ़त को बेअसर कर दिया।यह टेस्ट मैच क्रिकेट इतिहास में भारतीय जुझारूपन की एक मिसाल के तौर पर दर्ज हो गया है। हालांकि ओल्ड ट्रैफर्ड के मैदान पर भारत को अब भी पहली जीत का इंतजार है, लेकिन यह मैच टीम के संघर्ष और संयम का प्रमाण रहा।

इंग्लैंड की पहली पारी में रनों का अंबार, भारत की कमजोर शुरुआत

इस मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 669 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में भारत पहली पारी में 358 रनों पर सिमट गया और

उसे 311 रनों की बढ़त से पिछड़ना पड़ा। जब भारत दूसरी पारी खेलने उतरा, तो पहले ही ओवर में यशस्वी जायसवाल और साई सुदर्शन के विकेट गिर गए। टीम का स्कोर 0 पर 2 विकेट था, और हार का खतरा मंडरा रहा था।

राहुल और गिल की साहसिक साझेदारी

इस मुश्किल घड़ी में कप्तान शुभमन गिल और अनुभवी केएल राहुल ने मोर्चा संभाला। दोनों ने संयम से खेलते हुए 188 रनों की साझेदारी की। केएल राहुल 90 रन बनाकर दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से आउट हुए, जबकि कप्तान गिल ने 103 रन की शानदार पारी खेली, जो उनका टेस्ट करियर का नौवां शतक रहा।

सुंदर-जडेजा की अटूट साझेदारी ने कर दी वापसी पक्की

गिल के आउट होने के बाद वाशिंगटन सुंदर को नंबर-5 पर प्रमोट किया गया, जहां उन्होंने रवींद्र जडेजा के साथ मिलकर 203 रनों की नाबाद साझेदारी की। सुंदर ने क्लासिक टेस्ट पारी खेलते हुए नाबाद शतक जड़ा, जबकि जडेजा ने अपना पांचवां टेस्ट शतक पूरा कर 'स्वोर्ड सेलिब्रेशन' किया। दोनों खिलाड़ियों की सूझबूझ भरी बल्लेबाजी के बाद दोनों टीमों ने आपसी सहमति से मैच ड्रॉ करने का निर्णय लिया। सूत्रों के मुताबिक, इंग्लिश कप्तान बेन स्टोक्स कुछ समय पहले ही मैच खत्म करना चाहते थे, लेकिन भारतीय प्रबंधन ने जडेजा और सुंदर का शतक पूरा होने के बाद ही ड्रॉ स्वीकार किया।

डायग्नोस्टिक सेंटर व्यापार नहीं, सेवा का माध्यम है : नितिन गडकरी

एजेंसी

मुंबई। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नागपुर में कहा कि डायग्नोस्टिक सेंटर व्यापार नहीं, सेवा का माध्यम है। समाज के वंचितों और अंतिम पंक्ति के व्यक्ति की सेवा करने का अंत्योदय का विचार पं. दीनदयाल उपाध्याय ने दिया था। उसी मार्ग पर मैं लगातार कार्य कर रहा हूं। नितिन गडकरी नागपुर के लष्करीबाग में स्थित कमाल चौक पर स्व. भानुताई गडकरी ग्रामीण विकास संस्था द्वारा संचालित स्व. भानुताई गडकरी मेमोरियल डायग्नोस्टिक सेंटर के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित कर रहे थे। नितिन गडकरी ने कहा कि राष्ट्र निर्माण, समाजसेवा और जनसेवा - यही राजनीति का सच्चा अर्थ है। अपने कार्यों के माध्यम से गरीबों का जीवन कैसे बदला जा सकता है, इस पर मैं विचार करता हूं। इसी प्रेरणा से और अनेक लोगों के सहयोग से स्व. भानुताई गडकरी मेमोरियल डायग्नोस्टिक सेंटर की स्थापना संभव हो पाई। जिस मां ने जन्म दिया, उसके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का यह अवसर मुझे मिला - इसका संतोष मुझे है। इस मौके पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के उद्देश्य से हर तीन किलोमीटर पर स्वास्थ्य सेवाओं का नेटवर्क तैयार किया जाएगा। अगले चार वर्षों में महाराष्ट्र में देश की सर्वश्रेष्ठ स्वास्थ्य व्यवस्था विकसित की जाएगी।

अदाणी ग्रीन का पहली तिमाही में शुद्ध लाभ 824 करोड़ रुपये रहा

नई दिल्ली। अदाणी ग्रीन शुद्ध लाभ पहली तिमाही में 824 करोड़ रुपये दर्ज हुआ। यह पिछले वर्ष 629 करोड़ रुपये था। वहीं इस वर्ष 31 प्रतिशत अधिक राजस्व 3800 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वर्ष 2794 करोड़ रुपये दर्ज हुआ था। एबिटा 36 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 3,042 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले वर्ष यह 2379 करोड़ रुपये था। साथ ही मार्जिन 5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80 प्रतिशत दर्ज हुआ।

ब्रिटेन के साथ एफटीए के पहले साल भारत को होगा 4060 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान, जीटीआरआई का दावा

नई दिल्ली। ब्रिटेन के साथ मुक्त व्यापार समझौते के पहले वर्ष में भारत को 4,060 करोड़ रुपये के सीमा शुल्क राजस्व का नुकसान होने की उम्मीद है, क्योंकि विभिन्न वस्तुओं पर शुल्क कम या समाप्त कर दिया गया है। थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने सोमवार को ब्रिटेन से वर्तमान आयात आंकड़ों का हवाला देकर यह बात कही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 10 वर्ष तक, जैसे-जैसे टैरिफ उन्मूलन चरणबद्ध तरीके से व्यापक रूप से लागू होगा, वित्त वर्ष 2025 के व्यापार की मात्रा के आधार पर वार्षिक घाटा बढ़कर 6,345 करोड़ रुपये या लगभग 574 मिलियन ब्रिटिश पाउंड तक पहुंचने का अनुमान है। जीटीआरआई ने कहा है कि 24 जुलाई को हस्ताक्षरित भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते से दोनों देशों के सीमा शुल्क राजस्व में कमी आएगी, क्योंकि विभिन्न वस्तुओं पर शुल्क कम कर दिया गया है या समाप्त कर दिया गया है। भारत ने 2024-25 में ब्रिटेन से 8.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य का सामान आयात किया। इन आयातों में औद्योगिक उत्पादों का बड़ा हिस्सा शामिल है और इन पर 9.2 प्रतिशत का भारित औसत टैरिफ लगता है। व्हिस्की और जिन जैसी वस्तुओं को छोड़कर, अधिकांश कृषि उत्पादों को, जिन पर 64.3 प्रतिशत का बहुत अधिक औसत टैरिफ लगता है, टैरिफ कटौती से बाहर रखा गया है। इसमें कहा गया है कि भारत ने ब्रिटेन से आयातित वस्तुओं के मूल्य के 64 प्रतिशत पर टैरिफ को तत्काल समाप्त करने की प्रतिबद्धता जताई है।

सरकारी प्रतिभूतियों में निवेशकों का भरोसा कायम

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक ने 36,000 करोड़ रुपये की सरकारी प्रतिभूतियों की नीलामी सफलतापूर्वक संपन्न की। आरबीआई ने 5.91 फीसदी पर 2028 में परिपक्व होने वाली प्रतिभूति के लिए 6,000 करोड़ रुपये और 6.33 फीसदी पर 2035 में परिपक्व होने वाली प्रतिभूति के लिए 30,000 करोड़ रुपये की अधिसूचित राशि तय की थी। दोनों नीलामियां पूरी तरह सब्सक्राइब हो गईं। यह सरकारी बॉन्ड के प्रति निवेशकों की मजबूत मांग को दर्शाता है। आंकड़ों के अनुसार 5.91 प्रतिशत जीएस 2028 के लिए 98 प्रतिभागियों से कुल 24,453 करोड़ रुपये के प्रतिस्पर्धी बोली प्रस्ताव मिले। वहीं, 6.33 प्रतिशत जीएस 2035 के लिए 402 बोलियों के जरिए 74,694 करोड़ रुपये की बोलियां प्राप्त हुईं। मूल्यांकन के बाद, आरबीआई ने 2028 बॉन्ड के लिए 5,998.13 करोड़ रुपये और 2035 बॉन्ड के लिए 29,947.86 करोड़ रुपये की प्रतिस्पर्धी बोलियों को स्वीकार किया। गैर-प्रतिस्पर्धी बोलियां भी पूरी तरह स्वीकार कर ली गईं। इनकी राशि क्रमशः 1.86 करोड़ रुपये और 52.13 करोड़ रुपये थी।

अमेरिका, यूरोपीय संघ में हुआ व्यापार समझौता

एजेंसी

लंदन। अमेरिका और यूरोपीय संघ (ईयू) में व्यापार को लेकर सहमति बन गई है। दोनों ने एक बैठक के बाद तय किया कि अमेरिका, ईयू के कई उत्पादों पर 15 प्रतिशत आयात शुल्क लगा सकेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने हुई बैठक के बाद यह एलान किया। यह घोषणा स्कॉटलैंड में हुई बातचीत के बाद एक संयुक्त प्रेस वार्ता में की गई। दोनों नेताओं ने इस समझौते को 'व्यापार संतुलन' बहाल करने और अधिक न्यायसंगत कारोबार को बढ़ावा देने वाला बताया। श्री ट्रंप ने प्रेस वार्ता में, दावा किया कि यह समझौता अमेरिकी कारों को यूरोपीय बाजार में दोबारा प्रवेश करने और ईयू में कृषि निर्यात को सरल बनाएगा। दवाईयां इस समझौते से बाहर हैं, जबकि ईयू से अमेरिका को निर्यात होने वाले स्टील और एल्युमीनियम पर मौजूदा 50 प्रतिशत शुल्क लागू रहेंगे। विदित हो कि इससे पहले तक ईयू से अमेरिका को निर्यात होने वाली कारों पर पहले ढाई प्रतिशत टैक्स था जो अब

बढ़कर 15 फीसदी हो जाएगा। यह समझौता अमेरिका को ईयू उत्पादों पर व्यापक रूप से 15 प्रतिशत आयात शुल्क लगाने की बात कहता है। साथ ही इसमें कई अमेरिकी निर्यातों के लिए शून्य- आयात शुल्क की भी बात है। यही नहीं ईयू 750 अरब डॉलर मूल्य की अमेरिकी ऊर्जा खरीदने और अमेरिका में 600 अरब डॉलर के निवेश की भी बात कही है।

एक अलग प्रेस वार्ता में, सुश्री लेयेन ने स्पष्ट किया कि ईयू और अमेरिका दवाइयों को 15 प्रतिशत शुल्क ढांचे में शामिल करने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने भविष्य में अमेरिका के और अधिक व्यापारिक कदम उठाने की संभावना से इनकार नहीं किया। जब उनसे पूछा गया कि क्या इससे यूरोपीय कार निर्माताओं को नुकसान नहीं होगा तो उन्होंने कहा कि वास्तव में कारों पर ढाई प्रतिशत के अलावा 25 प्रतिशत का अन्य कर भी लगता है। तो अब नई दर वास्तव में कर में कमी को दर्शाती है, लेकिन इस समझौते से सब लोग सहमत नहीं हैं।

यूरोपीय संसद की अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समिति के अध्यक्ष बर्न्ड लैंग ने इस नए समझौते की आलोचना करते हुए इसे 'असंतोषजनक' और 'काफी असंतुलित' बताया और चेतावनी दी कि यह ईयू की आर्थिक स्थिरता और रोज़गार सुरक्षा को कमज़ोर कर सकता है। श्री लैंग ने एक बयान में कहा, यह एक पक्षपातपूर्ण समझौता है। स्पष्ट रूप से, इसमें ऐसी रियायतें दी गई हैं जिन्हें बर्दाश्त करना मुश्किल है। विदित हो कि श्री ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर एक अगस्त तक कोई समझौता नहीं हुआ, तो अमेरिका अभी जो 10 प्रतिशत शुल्क लगाता है उसको बढ़ाकर 30 प्रतिशत कर दिया जाएगा।

एसबीआई की नई 'हर घर लखपति' आरडी योजना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक ने हाल ही में अपनी एक नई रिकरिंग डिपॉजिट योजना, 'हर घर लखपति', लॉन्च की है, जिसका लक्ष्य आम लोगों को नियमित और छोटे निवेश के माध्यम से एक बड़ी राशि जमा करने में मदद करना है। यह योजना उन लोगों के लिए एक बेहतरीन अवसर है जो अपनी बचत को बढ़ाना चाहते हैं और भविष्य के लिए वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहते हैं। इस नई ऋष्ठ योजना के माध्यम से, SBI अपने ग्राहकों को एक अनुशासित निवेश पद्धति अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है ताकि वे अपने वित्तीय लक्ष्यों को आसानी से पूरा कर सकें। 'हर घर लखपति' SBI योजना निवेशकों को कम निवेश से शुरुआत करने और आकर्षक ब्याज दरों का लाभ उठाने का मौका देती है। बैंक ने इस योजना को विशेष रूप से ऐसे ग्राहकों के लिए डिज़ाइन किया है जो एक निश्चित अवधि में एक बड़ी राशि (जैसे ?1 करोड़ या उससे अधिक) जमा करना चाहते हैं। इसमें निवेशक अपनी वित्तीय क्षमता के अनुसार मासिक किश्तें जमा कर सकते हैं।

इस योजना से न केवल अनुशासित बचत को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि यह निवेशकों को लंबी अवधि में चक्रवृद्धि ब्याज का लाभ भी देगी, जिससे वे अपनी निवेशित राशि को कई गुना बढ़ा सकते हैं। बैंक के अधिकारियों का कहना है कि यह योजना वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और हर भारतीय को 'लखपति' बनने के सपने को साकार करने में मदद करेगी।

स्टॉक मार्केट में स्वास्तिका कैस्टल की फीकी एंट्री

एजेंसी

नई दिल्ली। एल्यूमीनियम कास्टिंग बनाने वाली कंपनी स्वास्तिक कैस्टल के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मामूली बढ़त के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 65 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 3.08 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 67 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद भी इस शेयर में कोई खास हलचल नहीं हो रही है। सुबह 10.15 बजे तक का कारोबार होने के बाद भी कंपनी के शेयर 67 रुपये के स्तर पर ही बने हुए थे। स्वास्तिक कैस्टल का 14.07 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 से 23 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 5.08 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इसमें रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 7.75 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस

आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 21.64 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नई मशीनरी खरीदने, नया शेड और बिल्डिंग बनाने, अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 58 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 65 लाख रुपये और 2024-25 में उछल कर 2.63 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी के राजस्व में उतार चढ़ाव होता रहा। 2022-23 में कंपनी को 24.41 करोड़ रुपये का राजस्व मिला, जो 2023-24 में घटकर 23.35 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि 2024-25 में इसके राजस्व में एक बार फिर बढ़ोतरी हुई, जिसके कारण ये उछल कर 30.31 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

देश की टॉप 6 कंपनियों का मार्केट कैप 2.22 लाख करोड़ से ज्यादा गिरा, चार कंपनियां को फायदा

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान हुई खरीद-बिक्री के कारण देश की टॉप 10 मोस्ट वैल्यूड कंपनियों में से 6 कंपनियों के मार्केट कैप में 2.22 लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इनमें सबसे अधिक नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज को हुआ। दूसरी ओर, टॉप 10 में शामिल 4 कंपनी के मार्केट कैप में इस सप्ताह 1.03 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। इनमें सबसे अधिक फायदा एचडीएफसी बैंक को हुआ। इस सप्ताह के कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इंफोसिस, बजाज फाइनेंस, हिन्दुस्तान यूनिलीवर और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के मार्केट कैप में 2,22,193.17 करोड़ रुपये की गिरावट आ गई। दूसरी ओर, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के मार्केट कैप में 1,03,502.48 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। दौरान इस 21 से 25 जुलाई के बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 1,14,687.70 करोड़ रुपये लुढ़क कर 18,83,855.52 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह इंफोसिस का मार्केट कैप 29,474.56 करोड़ रुपये कम होकर 6,29,621.56 करोड़ रुपये के स्तर तक गिर गया। इसके अलावा, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मार्केट कैप 23,086.24 करोड़ रुपये के नुकसान के साथ 5,60,742.67 करोड़ रुपये के स्तर पर, टाटा कंसलटेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मार्केट कैप 20,080.39 करोड़ रुपये की गिरावट के साथ 11,34,035.26 करोड़ रुपये के स्तर पर, बजाज फाइनेंस का मार्केट कैप 17,524.30 करोड़ रुपये की कमजोरी के साथ 5,67,768.53 करोड़ रुपये के स्तर पर और हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 17,339.98 करोड़ रुपये कम होकर 5,67,449.79 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 37,161.53 करोड़ रुपये की उछाल के साथ 15,38,078.95 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसी तरह आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 35,814.41 करोड़ रुपये बढ़ कर 10,53,823.14 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके अलावा भारती एयरटेल का मार्केट कैप 20,841.20 करोड़ रुपये उछल कर 11,04,839.93 करोड़ रुपये के स्तर पर और स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केट कैप 9,685.34 करोड़ रुपये बढ़ कर 7,44,449.31 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

सेवी इंफ्रा की स्टॉक मार्केट में जोरदार एंट्री, फायदे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी

नई दिल्ली। नए प्रोजेक्ट्स के लिए फाउंडेशन तैयार करने वाली कंपनी सेवी इंफ्रा एंड लॉजिस्टिक्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में मजबूती के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को खुश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 120 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर 13.75 प्रतिशत प्रीमियम के साथ इसकी लिस्टिंग 136.50 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से कंपनी के शेयरों को और मजबूती मिली। सुबह 11 बजे तक का कारोबार होने के बाद भी कंपनी के शेयर 143 रुपये के स्तर पर पहुंचे हुए थे। इस तरह शुरुआती डेढ़ घंटे के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 19.17 प्रतिशत का मुनाफा हो चुका है। सेवी इंफ्रा एंड लॉजिस्टिक्स का 69.98 करोड़ रुपये का आईपीओ 21 से 23

जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 114.50 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 93.02 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 196.44 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 91.62 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 58.32 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 34 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 9.87 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 23.88 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी के राजस्व में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। 2022-23 में कंपनी को 6.19 करोड़ रुपये का राजस्व मिला, जो 2023-24 में बढ़ कर 101.62 करोड़ रुपये और 2024-25 में उछल कर 238.77 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

पर्यटन को नई उड़ान, टूरिज्म कॉन्क्लेव में मप्र को मिले 3000 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव

एजेंसी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि रीवा रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में पर्यटन क्षेत्र के लिए एक नई सुबह का आगाज़ हुआ है। आज पर्यटन श्रेत्र में प्रमुख निवेशकों ने रीवा और शहडोल संभाग में तीन हजार करोड़ से अधिक के निवेश की इच्छा जताकर इन क्षेत्रों में पर्यटन के विकास की अपार संभावनाओं को रेखांकित किया है। यह ऐतिहासिक पल दोनों संभागों के लिए आर्थिक समृद्धि और रोजगार के नए द्वार खोलेगा। कॉन्क्लेव में निवेशकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार की शाम रीवा में आयोजित दो दिवसीय रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव के शुभारंभ कार्यक्रम में पर्यटन क्षेत्र के निवेशकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलन कर इस दो दिवसीय रीजनल कान्क्लेव का विधिवत शुभारंभ किया। यह कान्क्लेव 27 जुलाई को भी जारी रहेगी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि विकास के मायने तभी हैं, जब हम अपनी जड़ों से, अपनी संस्कृति और अपनी विरासतों से भी आत्मीयता से जुड़े रहें। हम विरासत से विकास की ओर मिशन मोड में आगे बढ़ रहे हैं। विंध्य क्षेत्र हमेशा से ही मध्य प्रदेश का गौरव रहा है। इस क्षेत्र के विकास में अब कोई भी बाधा नहीं रही। हम यहां की हेरिटेज साइट्स को समुचित तरीके से सहेजकर पूरे विंध्याचल को उसका पुरा वैभव लौटाएंगे।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की घटी कीमत

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार पांचवें दिन गिरावट का रुख बना हुआ है। हालांकि आज की गिरावट काफी मामूली है। कीमत में गिरावट आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये से लेकर 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 91,590 रुपये से लेकर 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली कमजोरी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,15,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई

में 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 99,970 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,640 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,970 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 91,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 91,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 99,920 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 91,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

यूपीआई ट्रांजैक्शन पर जीएसटी की अटकलों पर वित्त राज्य मंत्री का बड़ा अपडेट

एजेंसी

नई दिल्ली। यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (UPI) ट्रांजैक्शन पर वस्तु एवं सेवा कर (GST) लगाए जाने की अटकलों पर आज वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने बड़ा अपडेट दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि फिलहाल UPI ट्रांजैक्शन पर GST लगाने की कोई योजना नहीं है। उनके इस बयान से उन अफवाहों पर विराम लग गया है, जो पिछले कुछ समय से ऑनलाइन भुगतान करने वाले लाखों भारतीयों के बीच चिंता का विषय बनी हुई थीं। यह घोषणा वित्तीय समावेशन और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। वित्त राज्य मंत्री ने संसद में एक प्रश्न के जवाब में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार देश में डिजिटल भुगतान को सरल, सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए लगातार

प्रयासरत है, और UPI इसमें एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। UPI ने भारत में डिजिटल लेनदेन में क्रांति ला दी है और करोड़ों लोगों के लिए भुगतान को आसान बनाया है। सरकार का लक्ष्य है कि इस डिजिटल क्रांति को जारी रखा जाए और आम जनता पर अनावश्यक बोझ न डाला जाए। यह स्पष्टीकरण उन सभी अटकलों को खारिज करता है, जिनमें UPI लेनदेन पर कर लगाए जाने की संभावना जताई जा रही थी, जिससे डिजिटल भुगतान इकोसिस्टम में विश्वास और बढ़ेगा।

ब्यूटी और पर्सनल केयर ई-कॉमर्स मार्केट में तेजी

एजेंसी

मुंबई। वैश्विक सौंदर्य और पर्सनल केयर ई-कॉमर्स बाजार अगले पांच वर्षों में लगभग 50 प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। डिजिटल एंड ट्रेंड्स की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार इस क्षेत्र में लगातार वृद्धि देखी जा रही है और 2029 तक इसमें निरंतर वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। 2018 में, इसका कुल बाजार राजस्व 115.23 डॉलर था। यह संख्या पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ी है। 2019 में, इसका राजस्व बढ़कर 132.6 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया। साल 2020 में यह और बढ़कर 166.06 अरब डॉलर हो गया। 2021 में भी वृद्धि जारी रही और 201.66 अरब डॉलर तक पहुंच गई। हालांकि 2022 में इसमें मामूली गिरावट आई और यह 196.56 अरब डॉलर पर आ गया। लेकिन बाजार में तेजी से सुधार हुआ और 2024 में यह 227.26 अरब डॉलर तक पहुंच गया। रिपोर्ट में 2025 के लिए 257.54 अरब डॉलर के राजस्व का अनुमान लगाया है। 2028 में 327.22 डॉलर के राजस्व के साथ यह वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है। अनुमान है कि 2029 तक बाजार 338.93 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। यह 2024 के स्तर से लगभग 50 प्रतिशत अधिक है। रिपोर्ट में बताया गया है कि खंडवार सबसे बड़ा योगदान पर्सनल केयर से आता है। इसके बाद कॉस्मेटिक, स्किनकेयर, फ्रेगरेंस और ब्यूटी टेक सेगमेंट आते हैं। आंकड़ों के अनुसार, पर्सनल केयर सेगमेंट हर साल बाजार में सबसे अधिक हिस्सेदारी बनाए रखता है, जबकि ब्यूटी टेक सबसे छोटा सेगमेंट है।

जैविक कपास की खेती पर कथित सरकारी सब्सिडी में घोटाले और प्रमाणन का एपीडा ने किया खंडन

एजेंसी

नई दिल्ली। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने जैविक कपास की खेती पर कथित सरकारी सब्सिडी में घोटाला और जैविक प्रमाणन में गड़बड़ी के आरोपों को निराधार बताते हुए उनका खंडन किया है। एपीडा ने कहा कि राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) के तहत जैविक प्रमाणन में तीसरे पक्ष का प्रमाणन शामिल है, जिसे फसल स्तर पर यूरोपीय आयोग और स्विट्जरलैंड द्वारा मान्यता प्राप्त है।उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने शनिवार को जैविक कपास की प्रामाणिकता की कुछ पश्चिमी बाजारों में अस्वीकार्यता को लेकर बयान दिया था। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत कार्य कर रही इस एजेंसी की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि राष्ट्रीय जैविक उत्पादन कार्यक्रम (एनपीओपी) 2001 में भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग द्वारा जैविक उत्पादों के निर्यात प्रोत्साहन हेतु शुरू किया गया था और एपीडा एनपीओपी के कार्यान्वयन हेतु सचिवालय के रूप में कार्य करता है। उत्पादक समूह प्रमाणन प्रणाली 2005 में शुरू की गई थी, क्योंकि छोटे और सीमांत किसानों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इसे आवश्यक समझा गया था। जैविक उत्पादों के निर्यात के लिए तृतीय पक्ष प्रमाणन अनिवार्य है। फसल उत्पादन के लिए एनपीओपी मानकों को यूरोपीय आयोग और स्विट्जरलैंड द्वारा अपने देश के मानकों के समकक्ष मान्यता दी गई है और ब्रिटेन ने भी इसे स्वीकार किया है। ताइवान के साथ जैविक उत्पादों के लिए भी एक समझौता है। बयान में कहा गया है कि एनपीओपी के तहत जैविक प्रमाणन प्रणाली में जैविक प्रक्रियाओं और जैविक उत्पादों के लिए एक तृतीय-पक्ष प्रमाणन प्रणाली शामिल है, जिसे एक प्रमाणन निकाय (सरकारी या निजी) द्वारा आपूर्ति श्रृंखला में प्रमाणित किया जाता है। मान्यता प्राप्त प्रमाणन निकाय अपनी मान्यता के दायरे के अनुसार जैविक संचालकों को प्रमाणित करते हैं। वर्तमान में, भारत में 37 सक्रिय प्रमाणन निकाय कार्यरत हैं, जिनमें 14 राज्य प्रमाणन निकाय शामिल हैं। एपीडा ने स्पष्ट किया जाता है कि एपीडा या वाणिज्य विभाग, एनपीओपी के तहत जैविक खेती करने वाले किसानों को कोई सब्सिडी नहीं देता है। 50,000 रुपये प्रति हेक्टेयर का आँकड़ा और अन्य गलत गणनाएँ निराधार हैं। एनपीओपी के तहत जैविक प्रमाणीकरण केवल मध्य प्रदेश तक ही सीमित नहीं है, बल्कि 31 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में फैला हुआ है। नवीनतम रिकॉर्ड के अनुसार, एनपीओपी के तहत मान्यता प्राप्त प्रमाणन निकायों द्वारा प्रमाणित लगभग 19,29,243 किसानों को कवर करने वाले 4712 सक्रिय जैविक उत्पादक समूह हैं। ये उत्पादक समूह अनाज, दलहन, तिलहन, चाय, कॉफी, मसालों और केवल कपास सहित विभिन्न प्रकार की फसलों के उत्पादन में शामिल हैं। इस प्रकार, ब्रीफिंग में उल्लिखित जैविक उत्पादक समूहों की संख्या किसानों की संख्या के साथ गलत है, यह अनुमान लगाना भी भ्रामक है कि भारत के सभी जैविक उत्पादक समूह मध्य प्रदेश में स्थित हैं और केवल कपास का उत्पादन कर रहे हैं। गौरतलब है कि कपास केवल उत्पादन स्तर तक ही एनपीओपी के अंतर्गत आता है। इसके बाद, ओटाई, प्रसंस्करण आदि सहित उत्पादनोत्तर कार्य निजी प्रमाणीकरण के अंतर्गत किया जाता है। एनपीओपी के अंतर्गत, आईसीएस का प्रबंधन स्वयं किया जा सकता है या किसी सेवा प्रदाता/अधिदेशक के माध्यम से किया जा सकता है। एनपीओपी मानकों के अनुसार, आईसीएस के लिए सभी किसानों का वर्ष में दो बार आंतरिक निरीक्षण करना अनिवार्य है।

गाजा संकट- इजराइल ने राहत के लिए हर दिन 10 घंटे का 'मानवीय विराम' घोषित किया

एजेंसी

यरुशलम। अंतरराष्ट्रीय दबाव और गाजा में बढ़ते भूख संकट के बीच इजराइली सेना (आईडीएफ) ने रविवार को घोषणा की कि वह गाजा पट्टी के कुछ हिस्सों में हर दिन 10 घंटे के मानवीय विराम का पालन करेगी। इस अवधि के दौरान युद्धक गतिविधियों को स्थगित रखा जाएगा और सुरक्षित रास्तों के माध्यम से खाद्य और दवाओं की आपूर्ति की अनुमति दी जाएगी। आईडीएफ द्वारा जारी बयान के अनुसार, यह मानवीय विराम सुबह 10 बजे से रात 08 बजे (स्थानीय समयानुसार) तक लागू रहेगा। यह निर्णय अल-मवासी, देइर अल-बलाह और गाजा सिटी जैसे क्षेत्रों में लागू किया जाएगा और अगले आदेश तक जारी रहेगा। इसके अलावा, हर दिन सुबह 06 बजे से रात 11 बजे तक (स्थानीय समयानुसार) संयुक्त राष्ट्र और मानवीय काफिलों के लिए सुरक्षित मार्ग खोले जाएंगे, ताकि राहत सामग्री विशेषकर खाद्य पदार्थ और जीवनरक्षक दवाएं गाजा के जरूरतमंद इलाकों तक पहुंचाई जा सकें। आईडीएफ ने कहा है कि यह निर्णय राजनीतिक नेतृत्व के निर्देशों और संयुक्त राष्ट्र तथा अंतरराष्ट्रीय सहायता एजेंसियों के समन्वय में लिया गया है, ताकि गाजा में राहत की मात्रा बढ़ाई जा सके। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, अब तक 127 लोगों की भूख और कुपोषण के कारण मौत हो चुकी है, जिनमें 85 बच्चे शामिल हैं।

नेतन्याहू के लिए गले की हड्डी बने हूती, कहा- गाजा पर हमला नहीं रोका तो हर इस्राइली जहाज को उड़ाएंगे

यमन। यमन के हूती विद्रोहियों ने एर्क बार फिर इस्राइल और उसके समर्थन वाले जहाजों को लेकर गंभीर चेतावनी दी है। हूतियों ने साफ कहा है कि अब वे इस्राइलसे जुड़े हर जहाज को अपना निशाना बनाएंगे, चाहे वह दुनिया के किसी भी हिस्से में क्यों न हो। यह बयान ऐसे समय आया है जब रेड सी और अरब सागर में पहले ही हूतियों के हमलों से समुद्री परिवहन में रुकावटें आ रही हैं। हूती प्रवक्ता याह्या सारी ने रविवार को एक वीडियो बयान में कहा कि इस्राइल से जुड़े सभी कमर्शियल, तेल या हथियार ले जाने वाले जहाज अब उनके रडार पर हैं। उन्होंने कहा कि जब तक गाजा पर इस्राइल हमले बंद नहीं होते, तब तक वे अपने 'सैन्य प्रतिरोध' को जारी रखेंगे। इससे पहले भी उन्होंने अमेरिकी और ब्रिटिश जहाजों को चेतावनी दी थी, लेकिन अब उन्होंने अपने दायरे को और बढ़ा दिया है। हूतियों ने यह भी कहा है कि वे उन सभी देशों को भी निशाना बना सकते हैं जो किसी भी रूप में इस्राइल का समर्थन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस्राइल हितों की रक्षा करने वाली हर शिपिंग कंपनी या देश उनके निशाने पर रहेगा। इससे अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार पर और गहरा असर पड़ सकता है, खासकर रेड सी और हिंद महासागर के रूट्स पर।

इराक में बंदूकधारियों के हमले में एक सुरक्षाकर्मी सहित दो लोगों की मौत

बगदाद। इराक की राजधानी बगदाद में कृषि मंत्रालय के कार्यालय पर सशस्त्र बंदूकधारियों के हमले में एक पुलिस जवान और एक नागरिक की मौत हो गयी। इराकी गृह मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि रविवार सुबह नवनियुक्त निदेशक की अध्यक्षता में प्रशासनिक बैठक के दौरान बंदूकधारियों के एक समूह ने कार्यालय को निशाना बनाकर गोलीबारी की।इस बीच गोलियों की आवाज सुनकर वहां पहुंचे अन्य पुलिसकर्मियों पर की गयी गोलीबारी में एक जवान की मौत हो गयी और एक अन्य सिविल कर्मचारी मारा गया। इस गोलीबारी में आठ अन्य सुरक्षाकर्मी भी घायल हुए हैं। गृह मंत्रालय ने बताया कि इस सिलसिले में अब तक 14 बंदूकधारियों को हिरासत में लिया गया है। इनकी पहचान इराक के 'पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्सेस (पीएमएफ)' की 45वीं और 46वीं ब्रिगेड के सदस्य के तौर पर की गयी है। इन सभी को न्यायिक हिरासत में भेजकर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इस घटना के बाद सेना के कमांडर-इन- चीफ और प्रधानमंत्री मोहम्मद शिया अल-सुदानी ने मामले की जाँच के लिए एक उच्च-स्तरीय जाँच समिति के गठन का आदेश दिया है।

मिस्र, कतर के विदेश मंत्रियों ने गाजा में मानवीय विकास पर चर्चा की

काहिरा। मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती और कतर के प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जसीम बिन जाबेर अल थानी ने फोन पर बातचीत कर गाजा पट्टी के हालात और युद्ध विराम सुनिश्चित करने पर चर्चा की। मिस्र के विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, चर्चा गाजा पट्टी में गंभीर मानवीय संकट को कम करने पर केंद्रित थी। दोनों मंत्रियों ने जारी वार्ता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई तथा व्यापक युद्धविराम समझौते में तेजी लाने की बात की जो गाजा में मानवीय और राहत सहायता की तत्काल आपूर्ति तथा इजरायल की आगे की कार्रवाइयों को रोकने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने गाजा में युद्ध के बाद पुनरुद्धार एवं पुनर्निर्माण के लिए मिस्र द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन से संबंधित घटनाक्रम पर भी चर्चा की जो युद्धग्रस्त गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण के लिए अरब-इस्लामी योजना का हिस्सा है।

पाकिस्तान में फ्लैश फ्लड का कहर : टीवी एंकर समेत 15 लोग लापता, स्थानीय लोग सरकार की व्यवस्थाओं से नाराज

एजेंसी

पाकिस्तान । पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान में हाईवे पर अचानक पानी भर गया। फ्लैश फ्लड की चपेट में आई एक टीवी एंकर और उसके परिवार के सदस्यों समेत 15 लोगों के बह जाने की आशंका है। वहीं कई दिनों से प्रकृति की मार झेल रहे इस इलाके के विस्थापितों ने स्वच्छ पेयजल, बिजली, सड़क पहुंच और संचार सेवाओं की गंभीर कमी की शिकायत की है। बाढ़ से प्रभावित डायमर की बाबूसर और थोर घाटियों में बचे लोगों ने कहा कि वे हाल के दिनों की सबसे घातक बाढ़ की चपेट में आ गए हैं, जिसमें कई लोग बेघर हो गए और उनका सारा सामान बह गया। मीडिया हाउस डॉन के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि फ्लैश फ्लड से बाबूसर हाईवे पर अचानक पानी बढ़ गया और इसमें 10 से 15 पर्यटक बह गए। अब तक सात शव बरामद किए जा चुके हैं। पर्यटकों में एक निजी चैनल की टीवी एंकर, उनके पति और उनके चार बच्चे भी शामिल हैं।गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फारक ने बताया

कि एक पश्तो भाषा के टीवी चैनल की एंकर के परिवार ने अधिकारियों से संपर्क कर बताया है कि वह, उनके पति और उनके चार बच्चे लापता हैं। फारक ने बताया कि उन्हें एंकर का एक बटुआ मिला है। वहीं, चिलास के मीनार इलाके में सिंधु नदी से एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ है। माना जा रहा है कि यह महिला उन पर्यटकों में शामिल है जो बाबूसर हाईवे पर आई बाढ़ में बह गए थे। उन्होंने कहा, खोजी कुत्तों और ड्रोन की मदद से बाकी लापता लोगों की तलाश जारी है। उन्होंने मीडिया को बताया कि भारी मशीनरी का उपयोग करके मरम्मत कार्य जारी है, 15 स्थानों पर सड़क अवरुद्ध है, और उनमें से 13 स्थानों पर आंशिक रूप से मार्ग साफ कर दिया गया है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सोमवार तक राजमार्ग आंशिक रूप से यातायात के लिए फिर से खोल दिया जाएगा। गिलगित क्षेत्र में, दान्योर नाले से आई अचानक बाढ़ के कारण मुख्य आपूर्ति पाइपलाइन और कई सिंचाई नहरें क्षतिग्रस्त होने के बाद, दान्योर और सुल्तानाबाद इलाकों के हजारों निवासी लगातार तीन दिनों तक पीने के पानी के बिना रहे। वहीं आम लोग सरकार की अनदेखी से भी खासा नाराज हैं। गिलगित के पूर्व मंत्री मुहम्मद इकबाल के नेतृत्व में क्षेत्र के बुजुर्गों ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि सरकार बार-बार आश्वासन के बावजूद बाधित जल आपूर्ति बहाल करने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि हालांकि निवासियों ने पाइपलाइन को अस्थायी रूप से बहाल करने में कामयाबी हासिल की थी, लेकिन बाद में आई बाढ़ ने इसे फिर से नष्ट कर दिया।

सीरिया में असद के पतन के बाद पहली बार संसदीय चुनाव, सितंबर में होंगे मतदान

एजेंसी

दमिश्क। पूर्व राष्ट्रपति बशर अल-असद के शासन के पतन के बाद सीरिया में पहली बार संसदीय चुनाव की घोषणा की गई है। यह चुनाव 15 से 20 सितंबर 2025 के बीच कराए जाएंगे। इस बात की पुष्टि पीपुल्स असेंबली चुनाव की उच्च समिति के अध्यक्ष मोहम्मद ताहा अल-अहमद ने की, जिनका बयान सरकारी समाचार एजेंसी साना ने जारी किया। यह चुनाव दिसंबर 2024 में बशर अल-असद के शासन के गिरने के बाद स्थापित नई अंतरिम सरकार के अधीन पहली बार होंगे। उस समय सीरिया में एक तेज और अप्रत्याशित विद्रोही हमले में असद शासन का पतन हुआ था। इस नई संसद की रूपरेमा में 210 सदस्य होंगे, जिसमें 70 सदस्य अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शराहा द्वारा नियुक्त किए जाएंगे। जबकि शेष 140 सदस्य प्रांतवार चुनावी कॉलेजों द्वारा चुने जाएंगे, जैसा कि चुनाव समिति के एक अन्य सदस्य हसन अल-दाघिम ने बताया। मार्च 2025 में हस्ताक्षरित अस्थायी संविधान के अनुसार, यह संसद एक पीपुल्स कमेटी के रूप में कार्य करेगी जब तक कि स्थायी संविधान लागू नहीं हो जाता और आम चुनाव नहीं होते, यह प्रक्रिया कई वर्षों तक चल सकती है। यह चुनाव उस समय घोषित किए गए हैं जब देश में नए शासकों को लेकर असंतोष और विभाजन गहराता जा रहा है। इस महीने की शुरुआत में दक्षिणी सूवेदा प्रांत में भयंकर सांप्रदायिक हिंसा हुई, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए। इस हिंसा की शुरुआत सशस्त्र बेदुईन कबीले और ड्रूज़ अल्पसंख्यक लड़ाकों के बीच अपहरण की घटनाओं से हुई।

पाकिस्तान में चीन के इंजीनियरों पर हमला करने वाले टीटीपी के तीन आतंकी मारे गए

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अधिकारियों ने पिछले साल नवंबर में चीन के इंजीनियरों पर हुए हमले में शामिल प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के तीन आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। तीनों को आज सुबह कराची के मंघोपीर इलाके में आतंकवाद-रोधी अभियान के दौरान मार गिराया गया। डान अखबार के अनुसार आतंकवाद निरोधी विभाग के अतिरिक्त पुलिस महानिरीक्षक आजाद खान ने कहा कि चीन के इंजीनियरों पर हमले का मास्टर माइंड जफरान अपने दो साथियों के साथ कराची के मंघोपीर इलाके के एक घर में छुपा था। खुफिया एजेंसियों के कर्मियों और आतंकवाद-रोधी अभियान में शामिल जवानों ने तीनों को घेरकर मौत के घाट उतार दिया। इस अधिकारी के अनुसार चीन के इंजीनियरों को पिछले साल पांच नवंबर को कराची की एक कपड़ा मिल में एक निजी सुरक्षा गार्ड ने गोली मारकर घायल कर दिया था। जांचकर्ताओं को संदेह था कि यह लक्षित आतंकी हमला है। इस घटना के बाद भागे निजी सुरक्षा गार्ड के

खिलाफ दो दिन बाद प्राथमिकी दर्ज की गई। तत्कालीन डीआईजी (दक्षिण) सैयद असद रजा ने बताया कि एक सुपरवाइजर और तीन गार्डों ने पूछताछ में यह कबूल किया था कि हमले का मास्टरमाइंड टीटीपी का जफरान है। दरअसल, नवंबर, 2022 में टीटीपी के सरकार के साथ युद्धविराम समाप्त करने के बाद पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक प्राधिकरण की एक रिपोर्ट के अनुसार 2021 से 2024 तक मुल्क में हुए आतंकवादी हमलों में 20 चीनी नागरिक मारे गए और 34 घायल हुए।

चीन में भूस्खलन से चार की मौत, आठ लापता, बीजिंग बाढ़ की चपेट में

एजेंसी

बीजिंग। चीन में मूसलाधार बरसात ने बड़े हिस्से में तबाही मचाई है। अधिकांश नदी-नाले उफान पर हैं। इस बीच उत्तरी चीन के हेबेई प्रांत के एक गांव में सोमवार तड़के हुए भूस्खलन में चार लोगों की मौत हो गई और आठ अन्य लापता हैं। ग्लोबल टाइम्स की खबर के अनुसार, स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि चेंगडे शहर के लुआनपिंग काउंटी स्थित गांव में भारी बारिश के बीच भूस्खलन हुआ। बचाव कार्य जारी है। इसके अलावा राजधानी बीजिंग और हेबेई प्रांत सहित उत्तरी चीन के कई क्षेत्र मूसलाधार बारिश और बाढ़ की चपेट में हैं। नगरपालिका अधिकारियों के अनुसार, बीजिंग में सोमवार को बाढ़ का रेड अलर्ट जारी किया गया है। चेतावनी दी गई कि यानकिंग, हुआइरौ और मियुन आदि जिलों के पहाड़ी इलाकों में सोमवार सुबह से मंगलवार सुबह तक भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है।राष्ट्रीय विकास और सुधार

आयोग ने हेबेई प्रांत में स्थिति से निपटने के लिए केंद्रीय बजट से 50 मिलियन युआन (6.97 मिलियन डॉलर) का आवंटन किया है। बीजिंग में आज खेलकूद गतिविधियों को स्थगित कर दिया गया है। बीजिंग आपातकालीन प्रबंधन ब्यूरो ने कहा कि चाओबाई नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। मंगलवार सुबह 10 बजे तक शहर के अधिकांश इलाकों में भारी बारिश होगी। इससे पहाड़ी क्षेत्रों में बाढ़ और भूस्खलन खतरा बहुत अधिक है। देश में शनिवार से हुई लगातार बारिश के कारण हेबेई, बीजिंग, इनर मंगोलिया, शांक्सी, शानक्सी, युन्नान और शिनजियांग की 31 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं।

किम जोंग-उन की बहन ने किया स्पष्ट, 'दक्षिण कोरिया से बातचीत में हमें कोई दिलचस्पी नहीं'

एजेंसी

सोल । उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन की बहन किम यो-जोंग ने कहा कि उत्तर कोरिया दक्षिण कोरिया की किसी भी नीति या प्रस्ताव में रुचि नहीं रखता और न ही सोल के साथ किसी तरह की बातचीत के लिए तैयार है।

सत्तारूढ़ पार्टी की केंद्रीय समिति की उप निदेशक किम यो-जोंग का यह बयान कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने जारी किया है। यह बयान दक्षिण कोरिया के नए राष्ट्रपति ली जे म्युंग के उस प्रयास के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने सैन्य तनाव कम करने और दोनों कोरियाई देशों के बीच संबंध सुधारने के लिए बातचीत की पेशकश की थी। यह उत्तर कोरिया का ली प्रशासन पर पहला आधिकारिक बयान है, जो पिछले महीने सत्ता में आया। किम

यो-जोंग ने कहा, ली जे म्युंग के पिछले 50 दिनों के शासन को देखने के बाद यह स्पष्ट है कि वह अपने पूर्ववर्ती से अलग नहीं हैं। उन्होंने दक्षिण कोरिया-अमेरिका गठबंधन को बेतहाशा समर्थन देने और उत्तर कोरिया के साथ टकराव की नीति अपनाने का आरोप लगाया। किम ने आगे कहा, दक्षिण कोरिया चाहे जितना भी प्रयास कर ले, उत्तर कोरिया का रुख नहीं बदलेगा।

उन्होंने स्पष्ट किया, हम दक्षिण कोरिया के किसी भी प्रस्ताव या नीति में रुचि नहीं रखते और न ही उनके साथ बातचीत के लिए बैठेंगे। किम ने दक्षिण कोरिया के उस प्रस्ताव की भी आलोचना की, जिसमें अंतर-कोरियाई मामलों के लिए जिम्मेदार एकीकरण मंत्रालय को सामान्य करने की बात कही गई थी। उन्होंने कहा, दोनों कोरिया अलग-अलग देश हैं, इसलिए इस मंत्रालय को भंग कर देना चाहिए। किम ने दक्षिण कोरिया पर एकीकरण द्वारा अवशोषण की भ्रांति में होने का आरोप लगाया। किम ने यह भी कहा कि अगर दक्षिण कोरिया को लगता है कि कुछ भावनात्मक शब्दों से वह अपने पिछले कार्यों के परिणामों को बदल सकता है, तो यह उसकी सबसे बड़ी गलतफहमी होगी। उन्होंने उत्तर कोरिया को मुख्य दुश्मन घोषित करने और टकराव की नीति अपनाने के लिए सोल की आलोचना की। साथ ही एशिया-पैसिफिक इकोनॉमिक कोऑपरेशन (एपीईसी) शिखर सम्मेलन में किम जोंग-उन को आमंत्रित करने के दक्षिण कोरिया के प्रस्ताव को हास्यास्पद भ्रम करार दिया। ये सम्मेलन अक्टूबर में ग्योंगजू में होने वाला है।

जर्मनी में ट्रेन के पटरी से उतरने से तीन लोगों की मौत, कई घायल

एजेंसी

बर्लिन। दक्षिणी जर्मन राज्य बाडेन-वुर्टेमबर्ग में एक ट्रेन पटरी से उतर गई, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह जानकारी स्थानीय पुलिस ने दी। यह दुर्घटना रीडलिंगन शहर के पास उस समय हुई जब ट्रेन के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। पुलिस के एक बयान के अनुसार, स्थानीय पुलिस ने घटनास्थल पर एक कमांड सेंटर स्थापित किया है और बचाव कर्मियों को तैनात किया है। प्रभावित रेलवे लाइन और पास की सड़क को बंद कर दिया गया है। बयान के अनुसार, ट्रेन की पटरी से उतरने के कारणों की जांच चल रही है।जर्मन प्रेस एजेंसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, यह इलाका पहले भी तूफ़ान की चपेट में आ चुका है।

जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ ने इस घटना पर अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्स पर लिखा, मैं पीड़ितों के प्रति शोक व्यक्त करता हूं और उनके परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।

'जुलाई चार्टर' पर फेल अंतरिम सरकार, एनसीपी ने दी विरोध की चेतावनी

एजेंसी

ढाका । बांग्लादेश की नेशनल सिटिजन पार्टी (एनसीपी) के संयोजक नाहिद इस्लाम ने धमकी दी है कि अगर मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार 5 अगस्त तक 'जुलाई चार्टर' की घोषणा नहीं करती है, तो वह ढाका के 'सेंट्रल शहीद मीनार' पर धरना देंगे। पार्टी की शेरपुर जिला इकाई ने एक रैली का आयोजन किया, जिसे संबोधित करते हुए नाहिद ने कहा, ÷हम 3 अगस्त को ढाका लौटेंगे। हम अपनी मांग (जुलाई चार्टर के लिए) पूरी किए बिना शहीद मीनार (परिसर) नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने आगे कहा, लगभग एक साल बीत चुका है, फिर भी अंतरिम सरकार जुलाई चार्टर तैयार करने में नाकाम रही है। अब हम सुन रहे हैं कि कुछ ही दिनों में इसकी घोषणा हो सकती है,

लेकिन अगर बुनियादी सुधार नहीं किए गए और उन्हें जुलाई चार्टर में शामिल नहीं किया गया, तो एनसीपी चार्टर का समर्थन नहीं करेगी। एनसीपी पार्टी की मांग दोहराते हुए नाहिद ने संसद में एक उच्च सदन के गठन और आनुपातिक प्रतिनिधित्व (पीआर) प्रणाली के तहत चुनाव कराने की मांग की।बांग्लादेश के प्रमुख समाचार पत्र द डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने नए सुधार ढांचे में प्रधानमंत्री की शक्तियों को सीमित करने की भी मांग की। पिछले महीने, देश में राजनीतिक अनिश्चितता और अस्थिरता के जारी रहने के बीच, 30 राजनीतिक दलों और बांग्लादेश के नेशनल कन्सेंसस कमीशन (एनसीसी) के बीच दूसरे चरण की चर्चा शुरू हुई थी। इस वार्ता का उद्देश्य अंतरिम सरकार की ओर से गठित विभिन्न सुधार आयोगों की सिफारिशों को पूरा करना और जुलाई चार्टर का मसौदा तैयार करना था। दूसरे दौर की बातचीत के दौरान, एनसीसी राजनीतिक दलों के बीच विवादों के बीच प्रमुख सुधारों पर आम सहमति बनाने के लिए संघर्ष कर रही थी। जो पार्टियां छात्र नेताओं और यूनुस के साथ मिलकर पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के नेतृत्व वाली लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई अवामी लीग सरकार को गिराने के लिए एकजुट हुई थीं, वे अब सार्वजनिक रैलियों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर एक-दूसरे के खिलाफ हमलावर हो रही हैं।

थाईलैंड के कंमाडर बूनसिन पैडक्लांग अग्रिम मोर्चे पर, कहा-कंबोडिया ने मौत की अफवाह फैलाई

एजेंसी

बैंकॉक। थाईलैंड की सेकेंड आर्मी एरिया के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल बूनसिन पैडक्लांग ने अपनी मौत की खबर का खंडन किया है। उन्होंने कहा कि वह देश की संप्रभुता की रक्षा के लिए थाईलैंड और कंबोडिया की सीमा पर अपने सैनिकों के साथ लड़ रहे हैं। कमांडर पैडक्लांग ने आज कहा कि कंबोडिया ने अफवाह फैलाकर थाई सैनिकों का मनोबल गिराने की कोशिश की है कि वह कंबोडियाई बलों के हाथों मारे गए हैं। थाईलैंड के अखबार द नेशन की खबर के अनुसार, बूनसिन ने कहा कि कंबोडिया ने तस्वीर के साथ भी छेड़छाड़ की है। उन्होंने कहा, मैं अभी भी सीमा पर हूं। अपने लोगों की सुरक्षा के लिए थाई-कंबोडियाई सीमा क्षेत्र में थाई सैनिकों के साथ लड़ रहा हूं। मैं तब तक देश की संप्रभुता की रक्षा करता रहूंगा जब

तक स्थिति में सुधार नहीं हो जाता। इस बीच थाई सशस्त्र बलों के प्रवक्ता मेजर जनरल विथाई लैथोम्य ने कंबोडिया के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल माली सोचेता के दावों का खंडन किया है। सोचेता ने थाईलैंड पर कंबोडियाई की संप्रभुता का उल्लंघन करने और बिना उकसावे के हमले करने का आरोप लगाया था। विथाई ने आरोपों को निराधार और झूठा बताते हुए खारिज कर दिया। सुरीन के गवर्नर चमन चुएंटा ने प्रभावित नागरिकों की सहायता सुनिश्चित करने के लिए प्रांत को युद्ध आपदा क्षेत्र घोषित किया है। चुएंटा ने सभी जिला प्रमुखों, प्रांतीय प्रशासनिक संगठन के अध्यक्ष और सूरीन नगर पालिका के महापौर को सीमा पर बढ़ती हिंसा के मद्देनजर एक आदेश जारी किया। इसमें कहा गया कि सुरिन प्रांत को युद्ध आपदा क्षेत्र घोषित किया जाता है।

दक्षिण अफगानिस्तान में हथियारों का जखीरा बरामद, दो गिरफ्तार

एजेंसी

काबुल। अफगानिस्तान के सुरक्षा बलों ने देश के दक्षिणी प्रांत उरुजगान में एक बड़े हथियार और गोला-बारूद के भंडार का खुलासा किया है। इस दौरान दो लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। गृह मंत्रालय द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में बताया गया कि त्रिन कोट शहर में की गई एक खुफिया कार्रवाई के दौरान यह जब्ती की गई। बयान में कहा गया है कि एक गुप्त सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने उरुजगान प्रांत की राजधानी त्रिन कोट में अभियान चलाया, जिसमें उन्हें भारी मात्रा में हथियार और सैन्य उपकरण मिले। सुरक्षा बलों द्वारा बरामद किए गए हथियारों में छह एके-47 राइफलें, एक भारी मशीन गन, पीके मशीन गनें, रॉकेट लॉन्चर और सैकड़ों हैंड ग्रेनेड शामिल हैं। इसके अलावा, बड़ी मात्रा में गोला-बारूद और सैन्य साजोसामान भी जब्त किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि इस मामले में दो संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है। उनसे पूछताछ की जा रही है और आशंका है कि इस मामले का संबंध आतंकी या अस्थिरकारी गतिविधियों से हो सकता है। उल्लेखनीय है कि अफगानिस्तान की अंतरिम सरकार पिछले साढ़े तीन वर्षों से देशभर में सुरक्षा व्यवस्था को बहाल करने के उद्देश्य से अवैध हथियारों और गोला-बारूद के जखीरे को जब्त करने की व्यापक मुहिम चला रही है। अब तक हजारों हथियार और बड़ी मात्रा में विस्फोटक सामग्री जब्त की जा चुकी है।

'भूख से हो रही मौतें रुकनी चाहिए', पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने पहली बार गाजा युद्ध पर किया पोस्ट

एजेंसी

शिकागो। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने गाजा में लड़ाई शुरू होने के बाद सोमवार को पहली बार गाजा युद्ध पर सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा की। बराक ओबामा ने गाजा में भुखमरी के हालात पर चिंता जताई और इसे तुरंत खत्म करने की अपील की। बराक ओबामा ने कहा कि गाजा में मासूम लोगों की मौतों को रोका जाना चाहिए। जो अमेरिका खुलकर इस्राइल के समर्थन में है, उसके पूर्व राष्ट्रपति का यह बयान बेशक इस्राइल पर दबाव को बढ़ाएगा।

ओबामा बोले- आम नागरिकों का खाना और पानी रोकना गलत

बराक ओबामा ने एक अमेरिकी अखबार में लेख लिखा। इस लेख के लिंक को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए एक पोस्ट में ओबामा ने लिखा कि 'गाजा संकट के समाधान में सभी बंधकों की वापसी और इस्राइली सेना की सैन्य कार्रवाई की समाप्ति होनी ही चाहिए, लेकिन इस लेख में गाजा में भूख से हो रही, रोकी जा सकने वाली मौतों को तुरंत रोकने की जरूरत को उल्लेखित किया गया है।' ओबामा ने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि 'गाजा में मदद को लोगों तक पहुंचने की इजाजत जरूर दी जानी चाहिए। आम नागरिकों का खाना और पानी रोकने के किसी भी तर्क को सही नहीं ठहराया जा सकता।'

इस साल गाजा में कुपोषण से 74 लोगों की मौत हुई

गाजा को इस्राइल द्वारा ब्लॉक

किया गया है, जिसके चलते गाजा में मानवीय मदद नहीं पहुंच पा रही है। इसके कारण गाजा में भुखमरी फैल गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने रविवार को चेतावनी दी कि गाजा में कुपोषण की स्थिति खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा कि यह भुखमरी पूरी तरह से रोकी जा सकती है और इसके चलते कई लोगों की मौत हो चुकी है। डब्लूएचओ ने बताया कि इस साल गाजा में 74 लोगों की मौत कुपोषण संबंधी कारणों से हुई है। इनमें से 63 लोगों की जान तो जुलाई में ही गई है। इनमें 24 बच्चे भी शामिल हैं, जो पांच साल से कम उम्र के थे। डब्लूएचओ का कहना है कि गाजा में हर पांच बच्चों में से एक कुपोषण का शिकार है। जून के महीने से गाजा में कुपोषित बच्चों का आंकड़ा तीन गुना बढ़ चुका है। इस्राइल का आरोप है कि गाजा में पहुंचने वाली हर मानवीय मदद को हमास द्वारा जब्त कर लिया जाता है। मानवीय मदद पर इस्राइल की रोक को हमास पर बातचीत शुरू करने के

रियासी उपायुक्त ने मिशन युवा के तहत लाभार्थियों को 48 स्वीकृति पत्र वितरित किए

रियासी 28 जुलाई। युवा उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ी पहल करते हुए, रियासी उपायुक्त निधि मलिक ने मिशन युवा पहल के तहत 48 युवा उद्यमियों को ऋण स्वीकृति पत्र प्रदान किए। जिले के विभिन्न हिस्सों से आने वाले लाभार्थियों को अपने स्वयं के व्यवसाय शुरू करने और विकसित करने के लिए वित्तीय सहायता मिलेगी।

वितरण समारोह एडीडीसी सुखदेव सिंह सम्याल, सीईओ, एडी रोजगार, सीएओ, सीएचओ, डीएसएचओ, एलडीएम रियासी, क्लस्टर प्रमुख जेके बैंक और अन्य प्रमुख जिला अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, उपायुक्त ने चयनित लाभार्थियों को बधाई दी और जिला अधिकारियों एवं बैंकिंग संस्थानों के सहयोगात्मक प्रयासों की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जिले के केंद्रित संपर्क और व्यापक जागरूकता अभियान के परिणामस्वरूप सबसे दूरस्थ क्षेत्रों से भी उल्लेखनीय प्रतिक्रिया मिली है।

उपायुक्त ने इस बात पर जोर दिया कि मिशन युवा सिर्फ एक वित्तीय सहायता योजना नहीं हैकृयह हमारे युवाओं में आत्मनिर्भरता और उद्यमशीलता की भावना विकसित करने का एक आंदोलन है। उन्होंने लाभार्थियों से वित्तीय सहायता का बुद्धिमानी से उपयोग करने और स्थायी व सम्मानजनक आजीविका के निर्माण की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम के दौरान, उपायुक्त ने युवा उद्यमियों से बातचीत की, जिन्होंने अपनी व्यावसायिक योजनाओं और आकांक्षाओं को साझा किया। माहौर के सुदूर इलाके के एक व्यक्ति ने बेकरी की दुकान खोलने की योजना साझा की।

एक महिला उद्यमी ने जैविक उत्पादों से युक्त स्थानीय डोगरी व्यंजन का एक आउटलेट शुरू करने का प्रस्ताव रखा। अन्य विचारों में एक मोबाइल मरम्मत की दुकान और हार्डवेयर स्टोर स्थापित करना शामिल था।

उपायुक्त ने उन्हें प्रशासन से निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया और बैंकिंग संस्थानों से ऋणों की समय पर प्रक्रिया सुनिश्चित करने और पूरी प्रक्रिया के दौरान लाभार्थियों को उचित सहायता प्रदान करने का आग्रह किया।

उन्होंने आगे कहा, ''इन स्वीकृति पत्रों को सार्वजनिक रूप से वितरित करके, हमारा उद्देश्य अधिक युवाओं को आगे आने, अपनी क्षमता का पता लगाने और मिशन युवा के तहत उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करना है।''

यह पहल रियासी के युवाओं को सशक्त बनाने और पूरे जिले में नवाचार, उद्यमिता और स्वरोजगार की संस्कृति को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पुंछ उपायुक्त ने स्वतंत्रता दिवस 2025 समारोह की तैयारियों की समीक्षा की

पुंछ 28 जुलाई। पुंछ उपायुक्त विकास कुंडल ने डाक बंगले में स्वतंत्रता दिवस 2025 समारोह की तैयारियों की समीक्षा हेतु एक बैठक की अध्यक्षता की।

इस राष्ट्रीय समारोह का समय पर, सुव्यवस्थित और गरिमापूर्ण ढंग से आयोजन सुनिश्चित करने के लिए बैठक में प्रमुख जिला अधिकारियों और हितधारकों ने भाग लिया।

एडीसी ताहिर मुस्तफा मलिक ने विभागीय जिम्मेदारियों और तैयारियों की स्थिति को रेखांकित करते हुए एक विस्तृत पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन दिया।

उपायुक्त ने समारोह से संबंधित सभी पहलुओं की विस्तृत समीक्षा की, जिसमें सुरक्षा व्यवस्था, आयोजन स्थल की सजावट और बैठने की व्यवस्था, जन संबोधन प्रणाली, सांस्कृतिक कार्यक्रम और मीडिया कवरेज, परेड की तैयारी और शनाइ वादन, अग्नि सुरक्षा प्रोटोकॉल, बैरिकेडिंग और यातायात प्रबंधन, जलपान और आतिथ्य, बिजली और पानी की आपूर्ति, सरकारी भवनों की रोशनी और स्वच्छता अभियान शामिल हैं।

मुख्य समारोह के दौरान, आयोजन स्थल के आसपास स्वच्छता बनाए रखने, त्रुटिरहित परेड रिहर्सल और जन संबोधन प्रणाली सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

मुख्य समारोह पुंछ के स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा, जहाँ मुख्य अतिथि राष्ट्रीय ध्वज फहराएँगे और विभिन्न टुकड़ियों द्वारा आयोजित औपचारिक मार्च-पास्ट की सलामी लेंगे।

अपने समापन भाषण में, उपायुक्त ने सभी विभागों को तालमेल से काम करने और देशभक्ति की भावना को बनाए रखने के निर्देश दिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि स्वतंत्रता दिवस 2025 भव्य, सुचारू और समावेशी तरीके से मनाया जाए।

पॉलीहाउस में बेमौसमी सब्जियों की खेती

By : Bhupender

सब्जी उत्पादन और आधुनिक बागवानी में पॉलीहाउस का महत्वपूर्ण योगदान है। यदि किसान कुछ विशेष सावधानियों को ध्यान में रखें तो इसमें बेमौसमी सब्जियों की खेती एक वरदान के रूप में सिद्ध हो सकती है। पॉलीहाउस में आमतौर पर सभी सब्जियों को उगाया जा सकता है, किन्तु सब्जियों का चयन पौधों की ऊंचाई, मौसम, सब्जी तैयार होने का समय, उत्पादन लागत एवं बाजार भाव को ध्यान में रखकर करना चाहिए।

इसके लिए ज्यादातर उन सब्जियों को चुनें जो कम जगह घेरती हों और उनका बाजार भाव ज्यादा मिलता हो। पॉलीहाउस में उगाने के लिये निम्न सब्जियां उपयुक्त रहती हैं, जैसे- शिमला मिर्च, टमाटर, खीरा, खरबूजा, लौकी, गोभी, बैंगन, फ्रेंचबीन, करेला, चप्पनकद्दू और तरबूज आदि प्रमुख है।

पॉलीहाउस बनाने की विधि

ढांचे की बनावट के आधार पर पॉलीहाउस कई प्रकार के होते हैं। पॉलीहाउस बनाने के लिये बांस की खपच्ची, बांस, जी आई पाइप, आयरन एंगल, सुतली आदि का प्रयोग ढांचा बनाने के लिये किया जाता है और इसे 150 से 200 माइक्रोन मोटी पॉलीथीन से ढंका जाता है। पॉलीथीन शीट का पराबैंगनी होना जरूरी होता है। सूर्य का प्रकाश पारदर्शी पॉलीथीन से पॉलीहाउस के अन्दर पहुंचता है, किन्तु विकिरण से पुनः वायुमण्डल में प्रवेश न कर पाने के कारण वह पॉलीहाउस का तापमान बढ़ाने में सहायक होता है। किसानों के लिये कम लागत के पॉलीहाउस उपयुक्त होते हैं और विभिन्न राज्यों की सरकारों द्वारा इन पर बागवानी मिशन के तहत 50 तक प्रतिशत अनुदान दिया जाता है।

कम लागत के पॉलीहाउस- इस प्रकार के ग्रीन हाउस का ढांचा बांस की खपच्चियों तथा सुतली की सहायता से बनाया जाता है। इस प्रकार के पॉलीहाउस में कोई भी यंत्र वातावरण का नियंत्रण करने के लिये नहीं लगाया जाता एवं ऐसे पॉलीहाउस मैदानी क्षेत्रों के लिये सर्दी की ऋतु में प्रयोग किये जा सकते हैं।

मध्यम लागत के पॉलीहाउस- इस प्रकार के ग्रीन हाउस का ढांचा प्राय: लोहे के पाइप या जी आई पाइप द्वारा बनाया जाता है। इसमें कूलर, छाया देने वाले जाल, पानी के फव्वारे तथा गर्म हवा फेंकने वाले ब्लोअर का इस्तेमाल होता है। इस में वातावरण को अर्धनियंत्रित किया जा सकता है।

अधिक लागत के आधुनिक पॉलीहाउस- ये ग्रीन हाउस मध्यम लागत वाले पॉलीहाउस से काफी बड़े आकार के होते हैं। इसमें वातावरण का नियंत्रण आधुनिक यंत्रों द्वारा किया जाता है, जिसको कम्प्यूटर प्रणाली द्वारा संचालित किया जाता है और सिंचाई ड्रिप प्रणाली द्वारा की जाती है।

पॉलीहाउस तकनीक के उपयोग

1. विपरीत मौसम यानी बेमौसमी सब्जियों की नर्सरी तैयार की जा सकती है तथा कम समय में नर्सरी तैयार होती है।
2. ये संरचनाएं सब्जियों को ठण्ड, पाला, गर्मी और हवा से बचाती हैं।
3. सब्जियों की अगेती पौध तैयार करने में सहायक जिससे अगेती फसल लेकर ज्यादा भाव में बाजार में बेचा जा सकता है।
4. अधिक मूल्य वाली सब्जियों का उत्पादन करना संभव।
5. बेमौसमी सब्जी उत्पादन- खीरा, शिमला मिर्च, टमाटर का वर्ष भर उत्पादन किया जा सकता है।
6. सब्जियों के उत्पादन और उत्पादकता में बढोतरी संभव।
7. सब्जियों की गुणवत्ता बढ़ती है।
8. कीड़ों और बीमारियों की रोकथाम आसानी से की जा सकती है।
9. सब्जियों की मोनोक्रापिंग को बढ़ाना यानी साल में कई बार फसल उगा सकते है, जिससे क्रापिंग इन्टेंसिटी बढ़ती है।

पॉलीहाउस में सब्जी उत्पादन के लिए सब्जियों की उन्नत किस्में = टमाटर- पंत टी- 3, डी टी एच-7, अविनाश- 2, डी ए आर एल- 304, एच वाई बी- 99, के-126, एन पी- 5002 और नवीन प्रमुख है।

शिमला मिर्च- केलिफोर्निया वंडर, अलंकार, भारत इन्दिरा, गोल्डन समर, हीरा, बाम्बी, ओरोबेली, तनवी और जैमिनी आदि प्रमुख है।

खीरा- जापानीज लौंग, ग्रीन, पूसा संयोग, प्वाइनसेट, रानी, फूले पराची और कसन आदि प्रमुख है।

खरबूजा- पंजाब संकर- 1और दिसी आदि।

फ्रेंचबीन- पंत अनुपमा और पंतबीन- 2, पूसा पार्वती कंटेण्डर आदि प्रमुख है।

करेला- पूसा दौ मौसमी और पूसा विशेष आदि प्रमुख है।

बैंगन- पूसा हाईब्रिड- 5,6 और 9, पंत संकर, हिसार और श्यामल आदि प्रमुख है।

पॉलीहाउस में पौध तैयार करना

ग्रीन हाउस या पॉलीहाउस में सब्जियों की नर्सरी का विकास तेजी से होता है। इसमें सब्जियों की विपरीत मौसम में नर्सरी तैयार करके किसान अधिक लाभ ले सकते हैं। इसमें कम लागत वाले पॉलीहाउस में सब्जियों की नर्सरी जैसे- शिमला मिर्च, टमाटर, बैंगन और बेलवाली सब्जियां जैसे- खीरा, लौकी, करेला, तोरई, चप्पन कद्दू एवं ककड़ी इत्यादि, की बेमौसमी अर्थात सर्दी में नर्सरी पौध तैयार करके एक दो महीने अगेती फसल ली जा सकती है, जिसके बाजार में बहुत अच्छे दाम मिलते हैं। इसके लिये बांस की खपच्ची, पोलीथीन शीट, सुतली से एक झोपड़ीनुमा ग्रीन हाउस बनाया जा सकता है और इसमें सब्जियों की पौध दिसम्बर से जनवरी में तैयार की जा सकती है।

अगेती नर्सरी (पौध) से फायदे

1. अधिक पैदावार
2. बेमौसमी उत्पादन
3. अच्छी गुणवत्ता
4. कम पानी की आवश्यकता
5. कम खरपतवार व आसान नियंत्रण
6. स्वस्थ व समय पर पौध उत्पादन
7. विपरीत परिस्थितियों से बचाव
8. कीट व रोग नियंत्रण आसान।

इन बातों का रखें ध्यान =

1. केवल उन्नत और संकर किस्में ही उगाएँ।
2. सही सब्जी की फसल और सही किस्म का चयन।
3. सब्जी की बिजाई से पहले पॉलीहाउस में गोबर की खाद डालकर अच्छी तरह मिला दें तथा जमीन को पांच प्रतिशत फोरमेलिन से उपचारित करें।
4. शिमला मिर्च, टमाटर, खीरा आदि ज्यादा लाभदायक फसलें होती हैं।

पौध को प्रोपेगेशन ट्रे में तैयार करें

सब्जियों की पौध के लिये प्रोपेगेशन ट्रे जिसे प्रो ट्रे भी कहते हैं, का इस्तेमाल करें जो आमतौर पर 98 छेदों वाली होती है, इसमें कोकोपीट + परलेट + वर्मीकुलेट का 4:1:1 का मिश्रण लेकर ट्रे तैयार कर लें तथा बीज की बिजाई कर दें।

पॉलीहाउस के फायदे

1. प्रत्येक बीज का बिना क्षति के अंकुरण।
2. जड़ों का पूरा विकास एवं निकालने एवं रोपाई में सुविधाजनक।
3. पौधों का विकास एक समान और स्वस्थ पौधों का तैयार होना
4. कम समय में पौध का तैयार होना।
5. पौध की बीमारियां कम।
6. कीट नियंत्रण सरलता से किया जा सकता है।
7. रोपाई उपरान्त कम मृत्युदर और पौधों का विकास जल्दी होना।
8. पॉलीहाउस को बागवानी के व्यावसायीकरण ने किसानों की एक खास जरूरत बना दिया है, जिसमें बेमौसमी सब्जियां उगाकर आमदनी को कई गुणा बढ़ाया जा सकता है।
9. परम्परागत कृषि विधियों की अपेक्षा पॉलीहाउस में सब्जियों को उगाने से खुले वातावरण की तुलना में दो से चार गुणा तक अधिक पैदावार ली जा सकती है।
10. वर्ष भर सब्जी उत्पादन करना, साथ ही उत्पादन की मात्रा, गुणवत्ता तथा उत्पादकता में भी काफी बढ़ोतरी प्राप्त की जा सकती है।
11. पॉलीहाउस में पर-परागण वाली सब्जियों के बीजों को सरलता से तैयार किया जा सकता है, इस प्रकार तैयार किए गए बीजों में वंश शुद्धता बनाये रखी जा सकती है और यह बीज उच्च गुणवत्ता के होते हैं। पॉलीहाउस के अन्दर उगाई जाने वाली सब्जियों में वे सभी सस्य क्रियायें करनी पडती हैं, जिन्हां खुले खेत में करते हैं। गोबर की खाद का भरपूर इस्तेमाल करना चाहिये। बीच-बीच में मिट्टी का निर्जीवीकरण करना आवश्यक होता है। जिसके लिये फार्मेलडिहाइड और अन्य रसायन या प्लास्टिक शीट बिछाकर सौर ऊर्जा का उपयोग किया जा सकता है।

ग्रीन हाउस या पॉलीहाउस में सब्जियों की नर्सरी का विकास तेजी से होता है। इसमें सब्जियों की विपरीत मौसम में नर्सरी तैयार करके किसान अधिक लाभ ले सकते हैं।

सतीश शर्मा ने आईआईटी जम्मू में हितधारकों की बैठक का उद्घाटन किया, जम्मू-कश्मीर के लिए प्रमुख नवाचार पहलों का शुभारंभ किया

जम्मू 28 जुलाई। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले, सूचना प्रौद्योगिकी और परिवहन मंत्री, सतीश शर्मा ने आईआईटी जम्मू में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार पर एक प्रमुख हितधारकों की बैठक का उद्घाटन किया।

उत्तरी क्षेत्र विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्लस्टर और जम्मू-कश्मीर विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं नवाचार परिषद द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में शिक्षा जगत, सरकार, उद्योग और स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के प्रमुख लोग जम्मू-कश्मीर के नवाचार परिदृश्य को मजबूत करने के लिए एक साथ आए।

इस अवसर पर, मंत्री महोदय ने केंद्र शासित प्रदेश में नवाचार और अनुसंधान को गति देने के उद्देश्य से तीन महत्वाकांक्षी पहलों का शुभारंभ किया, जिनमें ळप्छप्-उत्तर भारत के जमीनी स्तर के नवप्रवर्तक, नवाचार राजदूत कार्यक्रम और स्पार्क-जेके-अनुसंधान और ज्ञान में तेजी लाने के लिए रणनीतिक कार्यक्रम शामिल हैं।

सतीश शर्मा ने शासन और सतत विकास में नवाचार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''विज्ञान और प्रौद्योगिकी किसी भी समाज की प्रगति और समृद्धि के अभिन्न अंग हैं। जम्मू और कश्मीर सरकार हर स्तर पर नवप्रवर्तकों, स्टार्टअप्स और शोधकर्ताओं का समर्थन करने वाला एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।''

सार्वजनिक सेवा वितरण में प्रौद्योगिकी के एकीकरण पर प्रकाश डालते हुए, शर्मा ने विज्ञान, सूचना प्रौद्योगिकी और नागरिक कल्याण, विशेष रूप से कृषि, स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा और परिवहन जैसे क्षेत्रों के बीच तालमेल की ओर इशारा किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे मंच साक्ष्य-आधारित नीति, टिकाऊ उद्योगों और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के निर्माण के लिए महत्वपूर्ण हैं।

भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार के वैज्ञानिक सचिव, डॉ. परविंदर मैनी ने क्षेत्र की बढ़ती विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षमताओं की सराहना की और हितधारकों के बीच गहन सहयोग का आह्वान किया। शासन में एआई, अपशिष्ट से धन प्राप्ति की पहल, कृषि-तकनीक और सतत पर्यटन जैसे विविध विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। डॉ. नासिर शाह अतिरिक्त निदेशक, जेकेएसटीआईसी और डॉ. जतिंदर कौर अरोड़ा सलाहकार, पीआई-आरएएचआई सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने क्षेत्रीय विकास में विज्ञान और नवाचार की परिवर्तनकारी भूमिका पर बात की।

विकास विवेकपूर्ण होना चाहिए, हर पेड़ उखाड़ने पर सौ पेड़ लगाने होंगे: मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला

जम्मू 28 जुलाई। जलवायु परिवर्तन एक वास्तविक समस्या है और इसके संकेत हमारे चारों ओर दिखाई दे रहे हैं। पृथ्वी और हमारा पर्यावरण एक विरासत है जिसे हमें अगली पीढ़ियों को सौंपना चाहिए अगर सुधार नहीं भी कर सकते, तो कम से कम अपने जीवनकाल में संरक्षित तो करना ही चाहिए।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने अभिनव थिएटर में जम्मू और कश्मीर वन विभाग द्वारा आयोजित वन महोत्सव 2025 समारोह का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। उन्होंने लोगों से इस उत्सव को एक जीवंत जन आंदोलन में बदलने का आह्वान करते हुए कहा कि आइए पेड़ लगाकर और पौधे उपहार में देकर आनंद लें।

उनके साथ जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण और जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा, मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण विभाग की आयुक्त एवं सचिव शीतल नंदा, जनजातीय मामलों के सचिव प्रसन्ना रामास्वामी जी, प्रधान मुख्य वन संरक्षक, डीडीसी सदस्य (डंसाल) शमीमा बेगम, और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम में केंद्र शासित प्रदेश के जनजातीय सदस्यों, छात्रों और नागरिकों सहित व्यापक सामुदायिक भागीदारी रही।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ज़ोर देकर कहा कि आज हमारे कार्यों के परिणाम लंबे समय तक रहेंगे। लालच पर लगाम लगनी चाहिए, केवल हमारी ज़रूरतें पूरी होनी चाहिए। अनियंत्रित वनों की कटाई रुकनी चाहिए। सार्थक परिणाम प्राप्त करने के लिए केवल आँकड़े ही नहीं, बल्कि वास्तविक वनरोपण प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि विकास एक ज़रूरत है, लेकिन यह विवेकपूर्ण होना चाहिए। एक संतुलन

होना चाहिए, पर्यावरण के प्रति सच्ची चिंता के साथ विकास किया जाना चाहिए। हर पेड़ उखाड़ने पर सौ पेड़ लगाने होंगे। सरकार के संकल्प की पुष्टि करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि वन अधिकार अधिनियम और लघु वनोपज का लाभ प्रत्येक इच्छित लाभार्थी तक पहुँचे। युवाओं और आदिवासी समुदायों को संबोधित करते हुए, उन्होंने पेड़ों के स्थायी मूल्य और सामूहिक प्रबंधन के महत्व पर ज़ोर दिया। जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण, तथा जनजातीय मामलों के मंत्री, जावेद अहमद राणा ने वनों की रक्षा में जनजातीय आबादी की अनूठी ज़िम्मेदारी को स्वीकार किया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि जनजातीय मामलों के विभाग को वन अधिकार अधिनियम के कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी बनना चाहिए।